My Notes.....

राष्ट्रीय

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप का सदस्य बना भारत

भारत ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (एजी) का सदस्य बन गया। यह **परमाणु अप्रसार की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है** जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि निर्यातों से रासायनिक या जैविक हथियारों का विकास नहीं हो सके। **मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम (एमटीसीआर) और वासेनार अरेंजमेंट (डब्ल्यूए)** के बाद चार प्रमुख निर्यात नियंत्रण व्यवस्था में से एक एजी की सदस्यता मिलने से **भारत को 48 सदस्यीय परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) में अपनी सदस्यता की दावेदारी** पुख्ता बनाने में मदद मिल सकती है। पाकिस्तान के इशारे पर चीन एनएसजी में भारत की सदस्यता की राह में रोड़े अटकाता रहा है।

क्या है

1. **चीन एमटीसीआर, डब्ल्यूए और एजी का सदस्य नहीं है।** ऑस्ट्रेलिया ग्रुप ने एक विज्ञप्ति में कहा, **19 जनवरी 2018 को भारत औपचारिक रूप से ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (एजी) का सदस्य बन गया है।**
2. यह देशों का सहकारी और स्वैच्छिक समूह है जो उन सामग्रियों, उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के प्रसार को रोकने के लिए काम कर रहा है, **जो देशों या आतंकवादी संगठनों की ओर से रासायनिक और जैविक हथियारों के विकास या अधिग्रहण में योगदान दे सकता है।**
3. एजी ने आम राय के जरिए लिए गए फैसले में **भारत को ग्रुप के 43वें भागीदार के तौर पर शामिल किया।**
4. एजी की सदस्यता से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एवं अप्रसार उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। भारत की सदस्यता के लिए अपना समर्थन देने वाले एजी के सभी भागीदारों को भारत शुक्रिया अदा करता है।
5. **भारत 2016 में एमटीसीआर में शामिल हुआ** जबकि डब्ल्यूए में पिछले साल शामिल हुआ था।

क्या है ऑस्ट्रेलिया समूह

1. ऑस्ट्रेलिया ग्रुप उन देशों का सहकारी और स्वैच्छिक समूह है **जो सामग्रियों, उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के निर्यात को नियंत्रित करते हैं** ताकि, **रासायनिक और जैविक हथियारों के विकास या अधिग्रहण** में इनका प्रयोग ना किया जा सके।
2. इसका यह नाम इसलिये है क्योंकि **ऑस्ट्रेलिया ने यह समूह बनाने के लिये पहल की थी और वही इस संगठन के सचिवालय का प्रबंधन देखता है।**
3. ईरान-इराक युद्ध (1984) में जब इराक ने रासायनिक हथियारों का प्रयोग किया, (1925 जेनेवा प्रोटोकॉल का उल्लंघन) तब रासायनिक व जैविक हथियारों के आयात-निर्यात और प्रयोग पर नियंत्रण स्थापित करने के लिये 1985 में इस समूह का गठन किया गया।
4. ऑस्ट्रेलिया समूह का मुख्य उद्देश्य रासायनिक तथा **जैविक हथियारों की रोकथाम हेतु नियम निर्धारित करना है।** ऑस्ट्रेलिया समूह इन हथियारों के निर्यात पर नियंत्रण रखने के अलावा 54 विशेष प्रकार के यौगिकों के प्रसार पर नियंत्रण रखता है।
5. ऑस्ट्रेलिया समूह के सभी सदस्य रासायनिक हथियार सम्मेलन (Chemical Weapons Convention-CWC) और जैविक हथियार सम्मेलन (Biological Weapons Convention-BWC) का अनुसमर्थन करते हैं।

हज यात्रियों को अब नहीं मिलेगी सब्सिडी

केंद्र सरकार अब हज यात्रियों को सब्सिडी नहीं देगी। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बताया कि सरकार ने अब हज यात्रियों को सब्सिडी ना देने का फैसला किया है। **इस फैसले के कारण 1 लाख 75 हजार लोग बिना सब्सिडी**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

के हज यात्रा पर जाएंगे। सरकार हर साल 700 करोड़ रुपये हज यात्रा की सब्सिडी पर खर्च करती थी। **आजादी के बाद पहली बार हज यात्रियों की सब्सिडी हटाई गई है।**

क्या है

1. हज यात्रियों को दी जाने वाली सब्सिडी अब बंद कर दी गई है। दरअसल, **हज सब्सिडी का फायदा गरीब मुसलमानों को नहीं मिल पा रहा था।** सरकार अब गरीब मुस्लिमों के लिए अलग से व्यवस्था करेगी। उन्होंने बताया कि हज यात्रा पर मिलने वाली सब्सिडी का फायदा अभी तक सिर्फ एजेंट्स उठा रहे थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

2. इधर भारत के हज यात्रियों को **समुद्री मार्ग से भेजने की योजना को सऊदी अरब ने मंजूरी दे दी है।** मुख्तार अब्बास नकवी ने सऊदी अरब के हज व उमराह मंत्री मोहम्मद सालेह बिन ताहेर बेंटेन के साथ करार किया है।
3. सऊदी अरब की रजामंदी मिलने से **23 साल बाद फिर से समुद्री मार्ग खुलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।** 1995 **में इसे बंद किया गया था,** उसके बाद से हवाई मार्ग के जरिये लोग हजयात्रा पर जा रहे हैं।
4. सऊदी अरब की रजामंदी मिलने के बाद अब दोनों देश समुद्री यात्रा के तकनीकी पहलुओं पर विचार करेंगे, जिससे आने वाले सालों में इसे शुरू किया जा सकेगा।
5. पहले समुद्र के रास्ते हज यात्रा में 12 से 15 दिनों का समय लगता था, लेकिन अब तीन से चार दिन में जहाज से यात्रा समाप्त कर सकते हैं। एक तरफ का रास्ता 23 सौ नाटिकल मील का है। 1995 में मुंबई के यलो गेट से सऊदी अरब के जेद्दाह तक जल मार्ग पर यात्रा होती थी।

अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण

रक्षा क्षेत्र में भारत को एक बड़ी सफलता मिली है। भारत ने 18 जनवरी 2018 **ओडिशा के तट पर अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस मिसालइल को भारत में ही विकसित किया गया** है। परमाणु क्षमता से लैस इस मिसाइल की **रेंज में पूरा चीन और पाकिस्तान आएगा।** रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इसके सफल परीक्षण की जानकारी दी। अग्नि-5 अंतरद्विपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण सुबह 9 बजकर 53 मिनट पर ओडिशा तट स्थित **अब्दुल कलाम आइलैंड** से किया गया। **अग्नि-5 की मारक झमता 5000 किलोमीटर है।** यह 5000 या इससे कुछ अधिक दूरी के लक्ष्य को असानी से भेद सकता है। इसके अलावा ये कई हथियारों को भी अपने साथ ले जा सकता है। **यह एंटी बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम के खिलाफ विरोधी कार्रवाई भी करेगा।**

क्या है अग्नि-5

1. **अग्नि-5 अग्नि सीरीज की मिसाइलें हैं जिन्हें डीआरडीओ ने विकसित किया है।**
2. **पृथ्वी और धनुष** जैसी कम दूरी तक मार करने में सक्षम मिसाइलों के अलावा भारत के बेड़े में **अग्नि-1, अग्नि-2 और अग्नि-3 मिसाइलें हैं।** इन्हें पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।
3. **अग्नि-4 और अग्नि-5 मिसाइलों को चीन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

4. **अग्नि-5 मिसाइल की ऊंचाई 17 मीटर और व्यास 2 मीटर है।** इसका वजन 50 टन और यह डेढ़ टन तक परमाणु हथियार ढोने में सक्षम है। **इसकी स्पीड ध्वनि की गति से 24 गुना ज्यादा है।**

स्मार्ट सिटी में 9 और शहर शामिल

उत्तर प्रदेश में बरेली और **बिहार में बिहारशरीफ** सहित विभिन्न राज्यों के **नौ शहरों को स्मार्ट सिटी परियोजना में शामिल किया गया है।** आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने **स्मार्ट सिटी परियोजना** में शामिल किये जाने वाले शहरों की चयन प्रक्रिया के परिणामों का खुलासा करते हुये यह जानकारी दी। पुरी ने बताया कि शहरों के चयन की प्रक्रिया के चौथे चरण में उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक तीन शहरों **बरेली, मुरादाबाद और सहारनपुर** को जगह मिली है। इसके अलावा **तमिलनाडु में इरोड, दादर नगर हवेली में सिलवासा, लक्षद्वीप में कवारती, अरुणाचल प्रदेश में ईटानगर** और **दमन दीव में दीव शहर** को जगह मिली है।

क्या है

1. **स्मार्ट सिटी परियोजना में 90 शहरों को पहले ही शामिल किया जा चुका है।** इस चरण में दस शहरों को चुना गया है। एक शहर पूर्वोत्तर राज्य से चयन किया गया है लेकिन संबद्ध राज्य में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू हो जाने के कारण इस शहर का नाम बाद में घोषित किया जायेगा।
2. इस चरण में स्मार्ट सिटी परियोजना के मानकों पर खरे उतरने वाले चयनित शहरों में सिलवासा अव्वल रहा। उन्होंने बताया कि चयनित शहरों ने अपने स्मार्ट सिटी प्रस्तावों में परियोजना के मानकों के मुताबिक 12824 करोड़ रुपये के विकासकार्यों की कार्ययोजना पेश की है।
3. इस राशि की मदद से इन शहरों में जीवन को सुविधापूर्ण और सुगम बनाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि सरकार का लक्ष्य इस परियोजना के पहले चरण में 100 शहरों को केन्द्र सरकार की तरफ से प्रत्येक शहर को 500 करोड़ रुपये दिया जा रहा है। शेष राशि संबद्ध शहर स्थानीय निकाय बोर्ड के अलावा निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी से जुटा रहे है।

जन्म से होता है जाति का निर्धारण: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, **किसी शख्स की जाति नहीं बदली जा सकती है और इसे शादी के बाद भी नहीं बदला जा सकेगा।** दरअसल, **अनुसूचित जाति के शख्स से शादी करने के कारण 21 साल पहले केंद्रीय विद्यालय में नियुक्त महिला शिक्षिका आरक्षण का लाभ उठा रही थी,** और इसी मामले पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है।

क्या है

1. जस्टिस अरुण मिश्रा और एमएम शांतनागौदर की बेंच ने महिला से कहा कि **वह आरक्षण के लाभ लेने की योग्यता नहीं रखती** क्योंकि **इसका जन्म उच्च जाति में हुआ था** और अनुसूचित जाति से शादी के बाद भी वह उसी जाति की कहलाएगी। यह महिला पिछले दो दशकों से स्कूल में अपनी सेवा देने के बाद अब वाइस प्रेसिडेंट के पद पर है।
2. बेंच ने कहा, 'इस मामले पर कोई विवाद नहीं है कि किसी की जाति उसके जन्म से निर्धारित होती है न कि शादी से। **महिला का जन्म अग्रवाल फैमिली में हुआ जो सामान्य वर्ग में आता है** अनुसूचित जाति में नहीं।
3. 1991 में महिला को बुलंदशहर के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने जाति प्रमाणपत्र जारी किया था जिसमें उसे अनुसूचित जाति का बताया। पंजाब के पठानकोट स्थित केंद्रीय विद्यालय में 1993 में इसे पोस्ट ग्रेजुएट टीचर के तौर पर नियुक्त किया गया।
4. उसकी नियुक्ति के दो दशक बाद रद्द करने के लिए शिकायत दर्ज करायी गयी है इसमें कहा गया है कि वह अवैध तौर पर आरक्षण का लाभ उठा रही थी। जांच के बाद अधिकारियों ने महिला का जाति प्रमाणपत्र रद कर दिया और 2015 में नौकरी से भी हटा दिया गया।
5. इस निर्णय को चुनौती देते हुए महिला ने इलाहाबाद हाईकोट में याचिका डाली जहां उसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद उसने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

6. **सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले की छानबीन की और हाईकोर्ट के आदेश में संशोधन किया।**

एमआइ-17 हेलीकॉप्टर के लिए होंगे समझौता

भारत और रूस के बीच एमआइ-17वी-5 हेलीकॉप्टर के लिए जल्द समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। इस संबंध में पिछले साल ही समझौता होने वाला था। हेलीकॉप्टर बनाने वाली रूस की कंपनी **रोसटेक स्टेट कॉरपोरेशन** के सीईओ सर्जेई चेमेजोव ने विशेष बातचीत में कहा कि **48 एमआइ-17वी-5 हेलीकाप्टरों की डिलीवरी के लिए भारत के साथ बातचीत पूरी हो चुकी है।** हमें इस संबंध में मार्च तक समझौता होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि **एमआइ-17 और एमआइ-8 हेलीकॉप्टर में काफी आधुनिकीकरण की संभावना है।** ऐसा एमआइ-171ए2 के विकास से साबित हो गया है।

एमआइ-17वी-5 की खासियत

1. **यह एमआइ-8/17 का सबसे उन्नत हेलीकॉप्टर है।** यह नाइट विजन तकनीक, ऑन-बोर्ड वेदर रडार, नया पीकेवी-8 ऑटोपायलट सिस्टम और केएनईआइ-8 एवियोनिक्स सूट से लैस है।
2. इस हेलीकॉप्टर के जरिये भारतीय वायुसेना ने कई मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान किए हैं।
3. नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमले के दौरान इसके जरिये कमांडो उतारे गए थे। कहा जाता है कि सितंबर 2016 में नियंत्रण रेखा के नजदीक पाक स्थित आतंकी लांच पैड को ध्वस्त करने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक में भी इसका इस्तेमाल किया गया।

क्या है

1. **एमआइ171ए2 हेलीकॉप्टर एमआइ-8 और एमआइ-17 सीरीज का उन्नत मीडियम मल्टीरोल हेलीकॉप्टर है।** चेमेजोव ने कहा कि इसमें करीब 80 नए सुधार किए गए हैं।
2. **भारत के पास करीब 151 एमआइ-17वी-5 हेलीकॉप्टर हैं।** जनवरी 2016 में अंतिम बार इनकी डिलीवरी की गई थी। हाल ही में भारत द्वारा 111 नेवल यूटिलिटी हेलीकॉप्टर के लिए जारी टेंडर पर चेमेजोव ने कहा कि रूस अपने कामोव केए-226टी हेलीकॉप्टर के साथ इसमें हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि केए-226टी टेंडर की सभी विशेषताओं को पूरा करता है।

उड़ान स्कीम के तहत नए रुट्स को मिली मंजूरी

सरकार ने 25 जनवरी 2018 को **उड़े देश का आम आदमी (UDAN) के दूसरे चरण के तहत एयरलाइंस और हेलिकॉप्टर परिचालन करने वाली कंपनियों को 325 हवाई रूट्स बांट दिये गये हैं।** इस योजना के तहत करगिल और फ्रंटियर लद्दाख क्षेत्र सहित दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में 73 **नए हवाई अड्डों और हेलिपैड के लिए हवाई संपर्क का विस्तार किया जा सकेगा।** सरकार का उदेश्य मध्यम और निचले तबके के आम लोगों तक हवाई सेवा पहुंचाना और छोटे शहरों में हवाई सेवाओं का विस्तार करना है।

क्या है

1. **उड़ान योजना के दूसरे चरण में 11 एयरलाइन कंपनियों को 67 प्रस्तावों के अधिकार दिये गये हैं।** हेलिकॉपटर से उड़ान सेवा देने वाली चार कंपनियों को 23 प्रस्ताव आवंटित किये गये हैं।
2. देश के प्रमुख घरेलू एयरलाइन कंपनियों को 20 प्रस्ताव हासिल हुए हैं। वहीं, स्पाइसजेट को 17 और जेट एयरवेज को चार प्रस्ताव मिले हैं।
3. उड़ान योजना के दूसरे फेस में 43 हवाई अड्डों और हेलिपैड को प्राथमिकता क्षेत्र में जोड़ा जाएगा। इनमें पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्य भी शामिल हैं।
4. सरकार परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए एयरलाइंस और हेलिकॉप्टर कंपनियों को 620 करोड़ रुपये की सब्सिडी देगी।
5. योजना के पहले दौर में मार्च 2017 के दौरान पांच एयरलाइन कंपनियों को कुल 128 हवाई रूट बांटे गए थे।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

उड़ान (Ude Desh Ka Aam Naagrik) योजना

1. उड़ान देश में क्षेत्रीय विमानन बाजार को विकसित करने की दिशा में **एक नवोन्मेषी कदम है।**
2. **क्षेत्रीय संयोजकता योजना-उड़ान 15 जून, 2016 को नागर विमानन मंत्रालय** द्वारा जारी राष्ट्रीय नागर विमानन नीति का एक महत्त्वपूर्ण घटक है।
3. क्षेत्रीय एयर कनेक्टिविटी को सुविधाजनक बनाने के मुख्य उद्देश्य के साथ अक्टूबर, 2016 में इस योजना को शुरू किया गया था।
4. इसमें रुचि रखने वाले ऑपरेटर प्रस्ताव करके अभी तक संपर्क से नहीं जुड़े मार्गों पर संचालन शुरू कर सकते हैं।
5. **यह वैश्विक स्तर पर अपनी तरह की पहली योजना है** जो क्षेत्रीय मार्गों पर सस्ती, आर्थिक रूप से व्यवहार्य एवं लाभप्रद उड़ानों को बढ़ावा देगी ताकि आम आदमी वहनीय कीमत पर हवाई यात्रा कर सके।
6. इसके तहत विमान की **आधी सीटों के लिये प्रति घंटा एवं 500 किमी. की यात्रा उड़ान हेतु अधिकतम 2500 रुपए किराया वसूला जाएगा** एवं इससे एयरलाइनों को होने वाले नुकसान की भरपाई सरकार द्वारा की जाएगी।
7. इसमें मौजूदा हवाई-पट्टियों एवं हवाई अड्डों के पुनरुत्थान के माध्यम से देश के उन हवाई अड्डों पर भी कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी जो कम उपयोग में आते हैं अथवा जिनका उपयोग नहीं किया जाता है।

व्यवहार्यता अंतर फंडिंग

1. यह एक ऐसा अनुदान होता है जो **सरकार द्वारा उन आधारभूत ढाँचा परियोजनाओं को प्रदान किया जाता है** जो आर्थिक रूप से लाभकारी हों लेकिन उनकी वित्तीय व्यवहार्यता कम हो।
2. ऐसा अनुदान दीर्घ परिपक्वता अवधि वाली परियोजनाओं को प्रदान किया जाता है।

'खेलो इंडिया' स्कूल खेल उत्सव का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 जनवरी 2018 को **नई दिल्ली के इन्दिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खेलो इंडिया स्कूल गेम्स का उद्घाटन किया।** ये खेल 8 फरवरी तक चलेंगे। **'खेलो इंडिया' पहल से स्कूलों से खेल प्रतिभाओं का चयन करने** और उन्हें भविष्य के चौम्पियन के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

क्या है

1. यह पहला मौका है जब **देश की राजधानी नई दिल्ली में 'खेलो इंडिया' स्कूल गेम्स का 31 जनवरी से आगाज होने जा रहा है।**
2. 'खेलो इंडिया' स्कूल गेम्स दिल्ली में जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, कर्णी सिंह शूटिंग रेंज और एसपीएम स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में आयोजित होंगे। उत्तर, दक्षिण, उत्तर पूर्व भारत की कुल 16 टीम इसमें भाग ले रही हैं।
3. देश में जमीनी स्तर पर खेलों को पुनर्जीवत करने के मकसद से 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। जिसके तहत प्राथमिकता वाले में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आठ साल तक हर साल पांच-पांच लाख रुपये की वित्तीय मदद दी जाएगी।

इंडिया इंटरनेशनल लेदर फेयर

उत्पादन से निर्यात तक विभिन्न तरह के संकट से जूझ रहे **चमड़ा व फुटवियर उद्योग को उबारने के लिए सरकार 2,600 करोड़ रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि जारी करने वाली है। काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई)**के अध्यक्ष मुख्तारुल अमीन ने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु चेन्नई में एक फरवरी से होने वाले **33वें इंडिया इंटरनेशनल लेदर फेयर** के दौरान यह पैकेज लांच करेंगे। अमीन ने कहा कि इस रकम का समुचित उपयोग करने के लिए सीएलई कई योजनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'सरकार की इस प्रोत्साहन राशि से चमड़ा उद्योग में मानव संसाधन विकास पर जोर देने, चमड़ा, फुटवियर व अन्य संबंधित उद्योग के क्लस्टर स्थापित करने, तकनीक, इनोवेशन और

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर काम करने और चमड़ा उद्योग के एकीकृत विकास में मदद मिलेगी।' काउंसिल के मुताबिक **घरेलू चमड़ा उत्पाद निर्यातकों को पड़ोसी बांग्लादेश से कड़ी चुनौती मिल रही है** क्योंकि इस उद्योग के लिए वहां कच्चा माल और मानव संसाधन दोनों ही पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। इसके अलावा, बांग्लादेश के चमड़ा उत्पादों पर कई आयातक देशों में आयात शुल्क नहीं लगता है। अमीन ने कहा कि अमेरिका और रूस, दोनों ही चमड़े से निर्मित उत्पादों के बड़े बाजार हैं। हमारे लिए अब ऐसे नए व बड़े बाजारों में संभावनाएं तलाशने का वक्त आ गया है।

1. भारतीय लेदर उद्योग अमेरिका में दबदबा बनाने को प्रयासरत
2. इसी को देखते हुए काउंसिल ने अमेरिका में अनुभवी सलाहकारों की नियुक्ति की है जो वहां भारतीय चमड़ा उत्पादों की मांग के बढ़ाने के लिए वातावरण तैयार करेंगे और वहां के संभावित खरीदारों के साथ भारतीय उत्पादकों और निर्यातकों के बीच संपर्क स्थापित करने में मदद करेंगे।

नए बाजारों पर होगा का फोकस

1. **बांग्लादेश और वियतनाम जैसे सस्ते मानव संसाधन सुलभ बाजारों से मिल रही स्पर्धा** को देखते हुए घरेलू चमड़ा उद्योग अब नए बाजारों में दस्तक देने की तैयारी में है।
2. काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोटर्स के अध्यक्ष मुख्तारुल अमीन ने कहा कि हालांकि नए बाजारों में यूरोप का बड़ा हिस्सा शामिल है, लेकिन उद्योग का फोकस अमेरिका व रूस जैसे बड़े बाजारों पर रहेगा।
3. काउंसिल के उपाध्यक्ष पी. आर. अकील अहमद ने बताया कि इन्हीं अवसरों की तलाश के लिए करीब 50 चमड़ा कारोबारियों का एक दल इस वर्ष मार्च में रूस के मॉस्को में होने वाली चमड़ा प्रदर्शनी में शिरकत करेगा।

अन्तरर्राष्ट्रीय

पहला अंतरराष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन

केरल के तिरूवनंतपुरम में कल से पहला अंतरराष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन शुरू होगा। सरकार ने आज एक बयान में यह जानकारी दी है। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और केंद्रीय जल संसाधन राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल इसकी अध्यक्षता करेंगे। **सम्मेलन में बड़े बांधों को लेकर सुरक्षा संबंधी विभिन्न मुद्दों** पर चर्चा की जाएगी।

क्या है

1. सम्मेलन में अमेरिका, स्विट्जरलैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया समेत 20 से ज्यादा देशों के 550 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।
2. **बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी)** के तहत बनाए गए सात बांध सुरक्षा मैनुअलों को भी सम्मेलन के दौरान कार्यान्वयन के लिए जारी किया जायेगा।

फ्रांस सरकार का नया कानून

दुनिया के कई देशों में ऐसे अजीबोगरीब कानून हैं जिन्हें सुनकर आप आश्चर्य करेंगे। ऐसा ही एक नया कानून बनाया है फ्रांस की इमैनुएल मैक्रों सरकार ने। **यहां सांसदों ने मिलकर ऐसा बिल पारित किया है जो लोगों को गलती करने का हक देगा।** फ्रांस की नेशनल असेम्बली (संसद) में मौजूद सांसदों ने पूर्व कानून में संशोधन करके उसके पक्ष में वोट डाले। इसके तहत अब फ्रांस में लोगों को 'right to make mistakes' यानि गलती करने का हक मिल गया। फ्रांस के नए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने चुनाव अभियान के दौरान इस कानून को लाने की बात की थी। इस लॉ के सहत फ्रांस के नागरिक अच्छी नीयत से गलती कर सकते हैं और उन्हें अपनी पहली गलती पर सजा नहीं होगी।

क्या है ये 'राइट टू मेक मिस्टेक'

1. इस कानून के तहत अगर फ्रांस में लोग सरकारी कामकाज करवाने के दौरान कोई गलती कर देते हैं, लेकिन इसके पीछे उनकी नीयत साफ या कोई गलत इरादा नहीं है तो उनकी गलती माफ की जाएगी।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

2. हालांकि सिर्फ पहली ऐसी गलती पर माफी दी जाएगी। इसके अलावा प्रशासन अगर चाहे तो जांच कर सकता है कि गलती के पीछे की नीयत अच्छी है या बुरी।
3. इसके अलावा अगर ये गलती स्वास्थ्य विभाग के कामकाज में होती है तो उस पर ये कानून लागू नहीं होता है।

भारत और कंबोडिया के चार समझौते

भारत और कंबोडिया ने रक्षा समझौतों को बढ़ावा देने का निर्णय लेते हुए 27 जनवरी 2018 को चार समझौते किये। इन समझौतों में **अपराधों की रोकथाम**, **जांच में सहयोग सुधारने** और **आपराधिक मामलों में कानूनी सहायता** शामिल है। इसके अलावा **भारत से कंबोडियाई स्टंग सवा हाब जल संसाधन विकास परियोजना** के लिए 3.692 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण उपलब्ध कराना शामिल हैं।

क्या है

1. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके कंबोडियाई समकक्ष समदेच हून सेन के बीच हुई समग्र वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए। **दोनों नेता द्विपक्षीय समझौतों को और बढ़ाए जाने पर सहमत हुए।**
2. दोनों नेताओं ने विकास साझेदारी को तेज करने की संभावनाओं को तलाशने पर भी चर्चा की और व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा संरक्षण, कृषि, पर्यटन तथा संस्कृति समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंध बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।
3. भारत और कंबोडिया ने **मानव तस्करी की रोकथाम पर भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये** जिसके तहत दोनों देश मानव तस्करी से संबंधित मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाएंगे।
4. दोनों देशों के बीच 2018-20 के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान संबंधी समझौता भी हुआ।

OBOR के बाद 'पोलर सिल्क रोड' पर जोर

'वन बेल्ट वन रोड' के बाद चीन अब अपनी एक और महत्वकांक्षी योजना 'पोलर सिल्क रोड' को अमलीजामा पहनाने में जुट गया है। चीन ने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के **बेल्ट और रोड इनिशिएटिव को आर्कटिक तक विस्तार करने की महत्वकांक्षा जताई है।** इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग की वजह से खुली जगहों को शिपिंग लेन में विकसित करने की योजना है।

क्या है

1. अपने पहले अधिकारिक **आर्कटिक पॉलिसी वाइट पेपर को जारी करते हुए चीन ने कहा कि वह उद्यमों को बुनियादी ढांचा बनाने और कर्मशियल ट्रायल के लिए प्रोत्साहित करेगा।**
2. **आर्कटिक शिपिंग रूट्स को 'पोलर सिल्क रोड' का नाम दिया जाएगा।** चीन के स्टेट काउंसिल इन्फॉर्मेशन ऑफिस की तरफ से जारी इस श्वेत पत्र में कहा गया है, 'चीन को उम्मीद है कि उसे पोलर सिल्क रोड के लिए सभी पार्टियों का सहयोग मिलेगा'।
3. **गैर-आर्कटिक राज्य होने के बावजूद चीन पोलर क्षेत्र में तेजी से सक्रियता बढ़ा रहा है।** 2013 में चीन आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर मेंबर भी बन गया है।
4. इस क्षेत्र में अपने बढ़ते हितों के बीच रूस के यमाल लिक्विफाइड नेचुरल गैस प्रॉजेक्ट में इसका प्रमुख हिस्सा है। जहां से चीन को हर साल 4 मिलियन टन एलएनजी सप्लाई होती है।

रोहिंग्याओं पर समझौता हुआ

म्यांमार और बांग्लादेश हाल में विस्थापित हुए रोहिंग्या मुस्लिमों की 'दो साल के भीतर' स्वदेश वापसी पर सहमत हो गए हैं। म्यांमार में सेना की कार्रवाई के बाद रोहिंग्या मुस्लिम बांग्लादेश चले गए थे। बांग्लादेश ने हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों की वापसी के लिए स्पष्ट समयसीमा का जिक्र करते हुए यह जानकारी दी। हालांकि बयान में इस बात का जिक्र नहीं है कि यह प्रक्रिया कब से शुरू होगी। लेकिन बातचीत में यह भी सहमति बनी है कि जिन परिवारों के पास घर नहीं हैं, उन्हें अस्थाई घर मुहैया कराए जाएंगे।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

क्या है

1. **भारत मे रह रहे 40,000 रोहिंग्या मुस्लिम शरणार्थियो को भी म्यांमार से समझौता** करके तुरंत वापस भेजना चाहिये ,नही तो 40,000 के 4 लाख होते देर नही लगेगी।
2. बांग्लादेश 5 ट्रांजिट कैंपों को लगाएगा, जहां से **रोहिंग्याओं को म्यांमार स्थित दो रिसेप्शन सेंटरों** पर भेजा जाएगा। म्यांमार ने म्यांमार के नागरिकों के बांग्लादेश में अधिक संख्या में होने पर रोक लगाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है।
3. म्यांमार की राजधानी में हुई इस जॉइंट मीटिंग के बाद बांग्लादेश सरकार की तरफ से यह बयान जारी किया गया। हालांकि अभी तक म्यांमार की सरकार की तरफ से कोई भी बयान नहीं आया है।
4. म्यांमार की सरकार के प्रवक्ता ने कहा था कि वापिस आने वाले लोगों को वेरिफिकेशन प्रक्रिया में पास होने पर ही नागरिकता दी जाएगी।
5. **म्यांमार की मिनिस्ट्री ऑफ लेबर, इमीग्रेशन और पॉपुलेशन की स्थाई सचिव मिन्ट क्याईंग** ने कहा न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से पिछले महीने हुई बातचीत में कहा था कि म्यांमार एक दिन में 150 लोगों का वेरिफिकेशन करेगा। जिसके लिए 23 जनवरी से दो कैंप लगाए जाएंगे।

अर्थशास्त्र

अब पेमेंट बैंक भी बनाएंगे अटल पेंशन योजना के ग्राहक

अधिकाधिक लोगों को पेंशन की सुविधा के दायरे में लाने के इरादे से सरकार ने एक नयी पहल की है। केंद्र ने **'अटल पेंशन योजना'** को विस्तार देने के लिए पेमेंट बैंक और स्मॉल फाइनेंस बैंकों को जोड़ा है। वित्त मंत्रालय के अनुसार **पेमेंट बैंक और स्मॉल फाइनेंस बैंक अटल पेंशन योजना को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।** इसलिए सरकार ने इन नए बैंकों को अटल पेंशन योजना के विस्तार के लिए इस अभियान से जोड़ा है। **केंद्र इन बैंकों को अटल पेंशन योजना का एक नया खाता खुलवाने के ऐवज में 120 से 150 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि भी देगी।** इसलिए उम्मीद की जा रही है कि ये बैंक अटल पेंशन योजना को विस्तार देंगे।

क्या है

1. **रिजर्व बैंक ने 11 पेमेंट बैंक और 10 स्मॉल फाइनेंस बैंकों को लाइसेंस दिया है।** पेमेंट बैंक और फाइनेंस बैंक बैंकिंग जगत में बिल्कुल नए मॉडल हैं। जो बैंक अटल पेंशन योजना के ग्राहक बना सकेंगे उनमें **उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, जनलक्ष्मी स्मॉल फाइनेंस बैंक, इक्विटीटास स्मॉल फाइनेंस बैंक**, ए यू स्मॉल फाइनेंस बैंक, कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक शामिल हैं। इसके अलावा पेटीएम पेमेंट बैंक, एयरटेल पेमेंट बैंक, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक और फिनो पेमेंट बैंक जैसे पेमेंट बैंक भी अटल पेंशन योजना का खाता खोल सकेंगे।
2. **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 मई 2015 को 'अटल पेंशन योजना' लांच की थी।** इसका क्रियान्वयन बैंकों के माध्यम से हो रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय इसके क्रियान्वयन की लगातार निगरानी भी कर रहा है। 23 जनवरी 2018 तक 84 लाख से अधिक लोग अटल पेंशन योजना से जुड़ चुके हैं। इस योजना के तहत 3,194 करोड़ रुपये की राशि एकत्रित हो चुकी है।
3. यह कदम ऐसे समय उठाया है जब सरकार पर सामाजिक सुरक्षा के लिए उपाय करने का दबाव है। आम बजट में भी सरकार सामाजिक सुरक्षा के लिए कुछ उपायों की घोषणा कर सकती है।

साल 2018 में भारत सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत साल 2018 में चीन को पछाड़ते हुए दुनिया की सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था बन जाएगी। इसके साथ ही, रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि **देश का शेयर बाजार दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

सैंक्टम वेल्थ मैनेजमेंट की रिपोर्ट के अनुसार, जब शेष विश्व कम वृद्धि दर तथा अपर्याप्त ढांचागत बदलाव से गुजर रहा था, तब भारत दीर्घकालीन वृद्धि के साथ सुधार वाली अर्थव्यवस्था के तौर पर देखा गया।

क्या है

1. रिपोर्ट में कहा गया कि **भारत 2018 में चीन को पीछे छोड़ सबसे तेजी से वृद्धि करती बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।** भारत का **शेयर बाजार भी पांचवां सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा।**
2. रिपोर्ट के अनुसार, जब विकसित अर्थव्यवस्थाएं दो से तीन प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रही थी, **भारत 7.5 प्रतिशत की दर को पार करने की राह पर था।**
3. अब भारत को अन्य उभरते बाजारों की परिस्थिति के कारण भी फायदा मिल रहा है।
4. चीन की वृद्धि दर में कमी का रुझान है। रिपोर्ट में सावधान किया गया कि यदि मुद्रास्फीति बढ़ी तो बाजार प्रभावित होगा।

अमेरिका में शटडाउन से भारत को झटका

अमेरिका में पांच साल में दूसरी बार शटडाउन होने से ना सिर्फ अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप है बल्कि उसका **सीधा असर भारत पर पड़ सकता है।** भारत के निर्यात को बड़ा झटका लगा है और उसकी वजह है दोनों देशों के बीच का कारोबार। **भारतीय इंजिनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी)** ने 20 जनवरी 2018 को अमेरिका की संघीय सरकार के ठप के चलते देश का निर्यात प्रभावित होगा, क्योंकि **अमेरिका सबसे ज्यादा निर्यात किए जानेवाले देशों में से एक है।**

क्या है शटडाउन

1. अमेरिका में एंटीडेफिशिएंसी एक्ट लागू है।
2. इस एक्ट के तहत अमेरिका में पैसे की कमी होने पर संघीय एजेंसियों को अपना कामकाज रोकना पड़ता है, यानि उन्हें छुट्टी पर भेज दिया जाता है।
3. इस दौरान उन्हें वेतन भी नहीं दिया जाता।
4. ऐसी स्थिति में सरकार संघीय बजट लाती है, जिसे प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में पारित कराना जरूरी होता है।

क्या है

1. **ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष रवि पी. सहगल** ने बताया कि अमेरिकी संघीय सरकार की बंदी की ख़बर निश्चित तौर पर भारतीय निर्यातकों के लिए बुरी खबर है। क्योंकि, **देश से सर्वाधिक निर्यात की जानेवाली अर्थव्यवस्थाओं में अमेरिका प्रमुख है।**
2. **इंजिनियरिंग क्षेत्र के लिए अमेरिका नंबर वन निर्यात गंतव्य है** और मौजूदा वित्त वर्ष में इसमें मजबूत बढ़ोतरी देखी जा रही है। गौरतलब है कि सीनेट के डेमोक्रेट सांसदों की ओर से संघीय सरकार के एक अल्पकालिक व्यय उपाय पर रोक लगाने के बाद ट्रंप सरकार ने शनिवार को शटडाउन की घोषणा की।

MCX पर जल्द शुरू होगी पीतल की ट्रेडिंग

देश के एकलौते कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स (MCX) को पीतल वायदा की मंजूरी दे दी गई है। बाजार नियामक सेबी की ओर से एमसीएक्स को ऐसा करने की मंजूरी दी गई है। **इस मंजूरी के साथ ही एमसीएक्स दुनिया का अकेला ऐसा एक्सचेंज बन जाएगा जहां पर पीतल का वायदा कारोबार होगा। जामनगर में पीतल वायदा का पहला डिलीवरी सेंटर बनाया जाएगा। मेटल सेग्मेंट में ये 6वां मेटल होगा** जिसमें वायदा कारोबार की सुविधा होगी। एक्सचेंज पर अब तक **कॉपर, जिंक, निकेल, लेड और एल्युमिनियम** में कारोबार हो रहा है।

क्या है

1. एमसीएक्स पर पीतल (ब्रास) वायदा कारोबार को मंजूरी दिए जाने से सबसे ज्यादा फायदा मुरादाबाद शहर के कारोबारियों और इंडस्ट्री को होगा। **मुरादाबाद देश में पीतल का सबसे बड़ा बाजार है।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

2. ब्रिटेन, अमेरिका, मिडिल ईस्ट एशिया, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों से पीतल का आयात मुरादाबाद से ही किया जाता है। मुरादाबाद में पीतल से जुड़ी करीब 600 एक्सपोर्ट यूनिट और 9000 इंडस्ट्रियां काम करती हैं।
3. जैसा कि पीतल का इस्तेमाल मिक्सिंग के लिए किया जाता है, ज्वैलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स, ऑटोमोबाइल पार्ट और म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स में इसका इस्तेमाल किया जाता है। केडिया ने कहा कि ब्रास यानी पीतल के वायदा को मंजूरी दिए जाने से एमसीएक्स का बेस मैटल का बकेट पूरा हो जाएगा।
4. **17 अक्टूबर 2017 को केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने गोल्ड की ऑप्शन ट्रेडिंग को लॉन्च कर दिया था।** इसकी **लॉन्चिंग प्रमुख कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर की गई।**
5. इस दौरान जेटली का कहना था कि यह सोने के कारोबार को औपचारिक रूप देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस दौरान एमसीएक्स ने कहा कि वह जल्द ही सेबी से अन्य कमोडिटी में ट्रेडिंग की शुरुआत करने के लिए संपर्क करेगा। इसमें चांदी, कॉटन और क्रूड शामिल हो सकते हैं। **ऑप्शन ट्रेडिंग एक किलो गोल्ड के साथ शुरू की जा सकती है।**

स्पाइक मिसाइल डील नही हुई रद

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि **भारत से 50 करोड़ डॉलर की स्पाइक टैंक रोधी मिसाइल की डील रद नहीं हुई है** और इस पर बातचीत चल रही है। इजरायली प्रधानमंत्री के कार्यालय ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। हालांकि, **भारतीय पक्ष की इस पर कोई प्रतिक्रिया अभी नहीं आई है।**

क्या है

1. बयान में नेतन्याहू ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के बाद भारतीय अधिकारियों ने उनसे कहा कि मिसाइल खरीद पर बातचीत फिर से पटरी पर लौट आई है। यह हमारे लिए बहुत अहम है। इस तरह के कई करार और होंगे।
2. उल्लेखनीय है कि इस माह के शुरू में स्पाइक मिसाइल बनाने वाली कंपनी ने कहा था कि भारत सरकार ने यह सौदा रद्द कर दिया है। इजरायल लगातार कोशिश कर रहा है कि सौदा रद्द न होने दिया जाए। कम संख्या में ही सही भारत मिसाइलें खरीद ले।

ओएनजीसी ने एचपीसीएल को खरीदा

सरकार पहली बार विनिवेश का लक्ष्य पार करती दिखाई दे रही है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी **ओएनजीसी ने देश की तीसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनिंग और मार्केटिंग कंपनी एचपीसीएल में सरकार की पूरी हिस्सेदारी खरीदने का सौदा किया है।** 36,915 करोड़ रुपये का यह सौदा जनवरी के अंत तक पूरा हो जाएगा। सौदा पूरा होने से इस साल का कुल विनिवेश 91,252.6 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच जाएगा। बजट में इस साल विनिवेश से 72,500 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया था।

क्या है

1. सौदे की शर्तों के मुताबिक, **ओएनजीसी 473.97 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड (एचपीसीएल) के 77.8 करोड़ शेयर खरीदेगी।**
2. यह कीमत 19 जनवरी 2018 को **एचपीसीएल के बंद भाव से 14 फीसद ज्यादा है।** पिछले 60 दिन के औसत शेयर मूल्य की तुलना में भी यह 10 फीसद अधिक है।
3. सौदा पूरा होने के बाद एचपीसीएल में **सरकार की मौजूदा 51.11 फीसद हिस्सेदारी ओएनजीसी के खाते में चली जाएगी।** सरकार ने एचपीसीएल में अपनी हिस्सेदारी के लिए एक लाख करोड़ रुपये की कीमत मांगी थी।
4. सरकार का मानना था कि **खुली बोली में एचपीसीएल के लिए इतना मूल्य आसानी से मिल जाएगा।** हालांकि कड़ी सौदेबाजी के बाद ओएनजीसी सौदे को 36,915 करोड़ रुपये में तय करने में सफल रही।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

5. सौदा पूरी तरह नकद होगा। **इसके लिए कंपनी छोटी अवधि के कर्ज उठाएगी।** कंपनी के पास 12,000 करोड़ रुपये का कैश रिजर्व भी है। ओएनजीसी के बोर्ड ने कर्ज की सीमा पहले के 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 35,000 करोड़ रुपये करने की मंजूरी भी दे दी है।
6. कंपनी ने बताया कि कुछ घरेलू और विदेशी वित्तीय संस्थाओं से अधिग्रहण की राशि के दोगुने के बराबर कर्ज पर पहले की सहमति बनी हुई है।
7. एचपीसीएल के शेयर 416.55 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए थे। इस आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण 63,475 करोड़ रुपये था। इसमें सरकार की 51.11 फीसद हिस्सेदारी का मूल्य 32,442 करोड़ रुपये था।

जीएसटी काउंसिल की 25वीं बैठक

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) काउंसिल की 25वीं बैठक में 18 जनवरी 2018 अहम फैसले लेते हुए कुल **49 वस्तुओं पर कर की दरें कम की गई।** इसके साथ ही **29 हैंडीक्राफ्ट वस्तुओं को जीरो टैक्स स्लैब में लाया गया।** केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बताया कि **नई दरें 25 जनवरी से लागू होंगी।** गौरतलब है कि यह आम बजट 2018 से पहले होने वाली अहम बैठक है। काउंसिल की अगली बैठक 10 दिन बाद। काउंसिल की इस बैठक में जीएसटी फाइलिंग की प्रक्रिया को और सरल बनाने पर कोई फैसला नहीं किया गया। इस पर चर्चा करने के लिए **जीएसटी काउंसिल 10 दिन बाद 26वीं बैठक करेगी।** यह बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए होना तय हुआ है। वहीं हैंडीक्राफ्ट आइटम्स पर जीएसटी को पूरी तरह से हटा दिया गया है।

क्या है

1. **पेट्रोलियम को GST के दायरे में लाने पर कोई चर्चा नहीं:** वहीं इस अहम बैठक में **पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाने पर कोई चर्चा नहीं हुई।** आपको बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने हाल ही में संकेत दिए थे कि पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाया जा सकता है लेकिन इससे पहले राज्यों की पूरी सहमति ली जाएगी।
2. **रियल एस्टेट सेक्टर पर भी कोई फैसला नहीं:** वहीं जीएसटी काउंसिल की इस बैठक में रियल एस्टेट सेक्टर पर कोई फैसला नहीं लिया गया। इससे पहले प्रयास लगाए जा रहे थे कि इस बैठक में काउंसिल इस पर कोई अहम फैसला ले सकती है। आपको बता दें कि फिलहाल रियल एस्टेट सेक्टर जीएसटी के दायरे से बाहर है।
3. **क्या कुछ हुआ सस्ता और महंगा: हीरे पर जीएसटी दर को 3 फीसद से घटाकर 0.25 फीसद, सिगरेट फिल्टर रॉड पर जीएसटी को 12 फीसद से बढ़ाकर 18 फीसद,** बायो डीजल पर जीएसटी दर को 18 फीसद से घटाकर 12 फीसद और इस्तेमाल किए गए वाहनों (यूज्ड व्हीकल) पर जीएसटी दर को 28 फीसद से घटाकर 18 फीसद कर दिया गया है।
4. जीएसटी काउंसिल की अहम बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि **कर दरें घटाने से टैक्स कलेक्शन पर असर पड़ता है।**
5. हालांकि उन्होंने कहा कि सरकार डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के लक्ष्य से काफी आगे है। उन्होंने कहा कि नई दरें 25 जनवरी 2018 से लागू हो जाएंगी। जेटली ने कहा कि 40 अन्य हैंडीक्राफ्ट उत्पादों पर टैक्स की दरें कम की जा सकती हैं।
6. वित्त मंत्री ने कहा कि कंपोजीशन स्कीम को अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है और इसके चलते टैक्स कलेक्शन चिंता का विषय है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटीआर-3बी की फाइलिंग आगे भी जारी रह सकती है। **ई-वे बिल के जिक्र पर उन्होंने कहा कि देश के 15 राज्य 1 फरवरी से ई-वे बिल को लागू कर देंगे।**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

विज्ञान एवं तकनीकी

वैज्ञानिकों ने बनाई मलेरिया की नई दवाई

वैज्ञानिकों ने मलेरिया के इलाज के लिए बेहद सुरक्षित और सबसे असरदार दवाई ढूंढ ली है। **यह दवाई दो ड्रग से मिलकर बनी है** और वैज्ञानिकों ने इंसानों पर इसका सफल परीक्षण भी कर लिया है। जर्मनी के **ट्यूबिगेन इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रॉपिकस मेडिसन** और एक अन्य दवाई निर्माता कंपनी ने मिलकर मलेरिया को पूरी तरह ठीक करने वाली दवाई तैयार की है। यह 'Fosmidomycin' और 'Piperaquine' नाम के दो ड्रग को मिलाकर बनाई गई है। वैज्ञानिकों ने इस दवाई के सफल टेस्ट में पाया है कि यह असरदार है, **शरीर इसे झेल सकता है और साथ ही ये पूरी तरह सुरक्षित भी है।**

क्या है

1. **इस दवाई को एक से 30 साल के मलेरिया से ग्रस्त लोगों पर तीन दिन के लिए आजमाया गया।** इस टेस्ट में सामने आया कि इन लोगों में से 83 गंभीर मरीजों पर दवाई का 100 प्रतिशत असर हुआ है।
2. शोध से जुड़े हुए एक वैज्ञानिक पीटर क्रेम्सनर ने कहा, **'यह अध्ययन क्लिनिकल शोध के क्षेत्र में एक बेहद अहम योगदान है।'** दो दवाईयों का ये मिश्रण शरीर में मौजूद मलेरिया के कीटाणुओं को बढ़ने से रोकता है। इसके साथ ही इंसानी शरीर इस ड्रग को आसानी से झेल लेता है और इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है।

WHO के मानकों पर खरी उतरी

1. **यह नई विश्व स्वास्थ्य संस्थान (डब्ल्यूएचओ)** के सभी मानकों पर एकदम खरी उतरी है। इसमें मौजूद दो तरह के ड्रग अलग-अलग रूप से खून में मौजूद मलेरिया के पैरासाइट का खात्मा करते हैं।
2. ये कि यह दवाई डब्ल्यूएचओ के तेज और असरदार तरीके से बीमारी को खत्म करने और उसके वापस न होने के मानकों पर सफल साबित हुई है।
3. शोधकर्ताओं का कहना है कि फिलहाल इसे लोगों के लिए उपयुक्त बनाने के लिए कुछ और अध्ययन बाकी हैं।

वैज्ञानिकों को मिली कोलोन कैंसर की अहम जानकारी

वैज्ञानिकों ने बड़ी आंत से संबंधित कोलोन कैंसर से जुड़े एक **एंजाइम** की पहचान की है। यह एंजाइम स्वस्थ कोलोन टिश्यू में तो नहीं मिले लेकिन कोलोन कैंसर सेल्स में प्रचुर मात्रा में पाया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह एंजाइम शुगर मोलेक्यूल या ग्लाइकान से संबद्ध करके सामान्य कोलोन टिश्यू को कैंसर में परिवर्तित कर देता है। डेनमार्क की कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता हांस वांडाल ने कहा, 'हमारे शोध से जाहिर होता है कि यह खास प्रकार का एंजाइम प्रोटीन के एक समूह को प्रभावित करता प्रतीत पाया गया है। इसकी सेल जुड़ाव में भूमिका हो सकती है।

क्या है

1. शोधकर्ताओं ने बताया कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो **ग्लाइकान परिवर्तन से पैटर्न में बदलाव आ जाता है।** इससे सेल्स एकदूसरे से चिपक जाती हैं और सेल्स स्वस्थ टिश्यू की जगह ट्यूमर की तरह विकसित दिखाई पड़ती हैं।
2. **साग-सब्जियों व फलों से भरपूर आहार खासकर बैंगनी आलू कोलोन कैंसर** से बचाव में कारगर साबित हो सकता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इस तरह के आहार से इस रोग के खतरे को कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, बैंगनी आलू जैसी सब्जियों के रंगीन पौधों में एंथोसायनिन और फेनोलिक एसिड जैसे बायोएक्टिव यौगिक पाए जाते हैं। इनका जुड़ाव कैंसर से बचाव से है।
3. **ये यौगिक मोलेक्युटर स्तर पर काम करते हैं।** यह कैंसर के लिए नया उपचार विकसित करने की दिशा में पहला कदम हो सकता है। इस शोध से जुड़े भारतवंशी और अमेरिका की पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जयराम के. पी. वनमाला ने कहा, 'हमारी समझ के अनुसार, खाद्य पदार्थ दोहरी धार वाली तलवार की तरह होते हैं?
4. इनसे बीमारी बढ़ सकती है और कोलोन कैंसर जैसे रोग से बचाव भी हो सकता है। शोध में इस रोग के खतरे को कम करने में बैंगनी आलू के प्रभाव का पता चला है। दूसरे रंगीन फलों और सब्जियों का भी इसी तरह का असर देखने को मिल सकता है।'

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

कैंसर से रोकथाम में ओमेगा-3 ज्यादा असरदार

कैंसर से रोकथाम में अन्य तेलों की बजाए मछली से प्राप्त ओमेगा-तीन ज्यादा कारगर साबित हुआ है। एक नए अध्ययन में यह नतीजा निकला है। अध्ययनकर्ताओं ने पता लगाया है कि ट्यूमर को फैलने से रोकने में समुद्री स्रोतों से प्राप्त **ओमेगा-तीन आठ गुणा ज्यादा असरदार होता है।**

क्या है

1. कनाडा में गुलेफ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डेविड मा ने कहा कि **इस अध्ययन के जरिए पहली बार कैंसर से मुकाबले में पौधा और समुद्री जीव से प्राप्त ओमेगा तीन की तुलना की गयी।**
2. उन्होंने कहा इस तरह के सबूत हैं कि **पौधा और समुद्री स्रोतों से प्राप्त ओमेगा-3 कैंसर से बचाव में मददगार है** और हम जानना चाहते थे कि इसमें से भी कौन सा ज्यादा फायदेमंद है।
3. ओमेगा-तीन फैटी एसिड के तीन प्रकार होते हैं। **ए लाइनोलेनिक एसिड, इकोसापेंटाइनोइक एसिड (ईपीए)** और **डोकोसाहेक्साइनोइक एसिड (डीएसए)।**

भारत दुनिया का छठा धनी देश

भारत दुनिया की सबसे धनी देशों की सूची में छठवें स्थान पर है। भारत की कुल पूंजी 8230 बिलियन डॉलर है। **इस सूची में पहले स्थान पर अमेरिका है।** यह जानकारी **न्यू वर्ल्ड वेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार है।** रिपोर्ट के अनुसार **अमेरिका के पास वर्ष 2017 तक 64584 बिलियन डॉलर की पूंजी थी। सूची में अगला स्थान चीन देश का है** जिसके पास 24803 बिलियन डॉलर की पूंजी और **तीसरे पर जापान** जिसकी 19522 बिलियन डॉलर की पूंजी है।

क्या है

1. **कुल पूंजी का मतलब होता है कि हर एक देश या शहर में सभी व्यक्तियों की निजी पूंजी।** इसमें उनकी सभी परिसंपत्तियां (प्रॉपर्टी, नकदी, इक्विटी, बिजनेस पर होने वाला लाभ) शामिल हैं। हालांकि रिपोर्ट में दिये गये आंकड़ों से सराकरी फंड बाहर किये हुए हैं।
2. **इस लिस्ट में चौथे स्थान पर यूनाइटिड किंगडम (9919 बिलियन डॉलर), पांचवे पर जर्मनी (9660 बिलियन डॉलर)**, सातवें पर फ्रांस (6649 बिलियन डॉलर), आठवें पर कनाडा (6393 बिलियन डॉलर), नौवें पर ऑस्ट्रोलिया (6142 बिलियन डॉलर) और दसवें पर इटली (4276 बिलियन डॉलर) की संपत्ति के साथ शामिल हैं।
3. रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2017 में भारत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला देश रहा है। इसकी पूंजी वर्ष 2016 के 6584 बिलियन डॉलर से बढ़कर वर्ष 2017 में 8230 बिलिनय डॉलर हो गई है, जो कि **25 फीसद की ग्रोथ है।**

NASA से गायब उपग्रह मिला वापस

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने दावा किया है कि **दशकों से गायब नासा का एक उपग्रह जिसे निष्क्रिय समझा जा रहा था वह सही एवं सक्रिय है।** नासा के **इमेजर फॉर मैग्नेटोपॉज-टू-ऑरोरा ग्लोबल एक्सप्लोरेशन (इमेज)** ने 20 जनवरी को मिले इस उपग्रह की पहचान की है।

क्या है

1. अमेरिका की **'जॉन्स हॉपकिंस' एप्लाइड फिजिक्स लैब ने उपग्रह से सफलतापूर्वक टेलीमेट्री डेटा** एकत्रित कर लिया है।
2. अंतरिक्ष एजेंसी उपग्रह से बुनियादी हाउसकीपिंग डेटा पढ़ पा रही है, जिससे इसके मुख्य नियंत्रित प्रणाली के सक्रिय होने की संभावना बनी हुई है।
3. नासा के 'गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर' के वैज्ञानिक और इंजीनियर उपग्रह से प्राप्त डेटा का विश्लेषण करने का प्रयास जारी रखेंगे ताकि उपग्रह की स्थिति का पता लगाया जा सके।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

लंबी उम्र का प्रोटीन का पता चला

वैज्ञानिकों ने एक ऐसे प्रोटीन की थ्रीडी संरचना का पता लगाया है जिसका **संबंध लंबी उम्र से होता है।** इससे डायबिटीज, मोटापे और कई तरह के कैंसर के उपचार के लिए नई थेरेपी विकसित की जा सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, लंबी उम्र और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने में **क्लोथो प्रोटीन** अहम भूमिका निभाते हैं। अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने **बीटा-क्लोथो वर्ग** के एक प्रोटीन की त्रिआयामी संरचना का पता लगाया है। **क्लोथो वर्ग के दो रिसेप्टर प्रोटीन कुछ खास टिश्यू की कोशिकाओं की सतह पर पाए जाते हैं।** ये प्रोटीन हार्मोन्स के एक वर्ग को जोड़ते हैं जो **एफजीएफ का अंतःस्राव करता है।** एफजीएफ लिवर, किडनी और मस्तिष्क समेत शरीर के दूसरे अंगों में मेटाबोलिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। शोधकर्ताओं ने बीटा क्लोथो की कार्यप्रणाली को समझने के लिए एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी का इस्तेमाल किया।

क्या है

1. वैज्ञानिकों को **तंत्रिका तंत्र में नुकसानदायक प्रोटीन के स्तर को कम करने में बड़ी सफलता मिली है।** उन्होंने ऐसी नई दवा विकसित की है जो **ऐसे प्रोटीन को न्यूनतम स्तर पर लाकर हंटिंगटन रोग** का उपचार कर सकती है। इस बीमारी में नर्व सेल्स में कमी आने लगती है। इसके चलते गतिविधियों और बातचीत में दिक्कत होती है। यह एक आनुवंशिक विकार है।
2. ब्रिटिश शोधकर्ताओं के अनुसार, **नई दवा आयोनिस-एचटीटीआरएक्स तंत्रिका तंत्र** में नुकसानदायक प्रोटीन के स्तर में कमी लाने में सफल पाई गई। इस दवा का इंसानों पर पहला परीक्षण साल 2015 के आखिर में शुरू किया गया था। इस दवा को हंटिंगटन रोग से पीड़ित 46 रोगियों पर आजमाया गया।
3. ब्रिटेन यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की शोधकर्ता सारा टैबरिजी ने कहा, 'इस परीक्षण के नतीजे हंटिंगटन रोग से पीड़ितों के लिए महत्वूपर्ण हैं। पहली बार एक दवा तंत्रिका तंत्र में ऐसे प्रोटीन के स्तर में कमी लाने में सफल पाई गई जो रोग का कारण बनता है।'

डाटा की सुरक्षा पर कानून बनाने की सिफारिश

वित्त मामलों की संसदीय कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में सरकार से सिफारिश की है कि **डाटा की सुरक्षा को लेकर एक पुख्ता कानून बनाने की जरूरत है।** कमेटी का कहना है कि **नोटबंदी के बाद भारत एक डिजीटल कालोनी बनने जा रहा है।** लिहाजा कोई ऐसा कानून होना चाहिए जिससे डाटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

क्या है

1. कमेटी की सिफारिश में यह भी कहा गया है कि **अंतरिक्ष व परमाणु ऊर्जा विभाग की तरह से एक महकमे का गठन किया जाना चाहिए** जो डाटा की सुरक्षा को लेकर काम करे।
2. उसकी रिपोर्टिंग सीधे प्रधानमंत्री दफ्तर को होनी चाहिए। कमेटी का कहना है कि रेनसमवेयर जैसे वायरस का बीते समय में हमला इस बात का सूचक है कि इस दिशा में तेजी से काम होना चाहिए। व्यक्तिगत स्तर पर डाटा पर नियंत्रण का भी कोई तरीका होना चाहिए। लोग जो भी डाटा निजी व अन्य कंपनियों से साझा करते हैं, उस पर उनका नियंत्रण होना जरूरी है।
3. स्टिंग के आधार पर पत्रकार ने दावा किया था कि **मात्र 500 रुपये में किसी के भी आधार का निजी डाटा प्राप्त किया जा सकता है।** रिपोर्ट में 10 लाख लोगों के आधार डाटा उपलब्ध होने की बात कही गई थी। यूआइडीएआइ अधिकारियों के मुताबिक, आधार की कोई भी जानकारी लीक नहीं हो सकती। ऐसा दावा कर रिपोर्टर ने आपराधिक साजिश की है।

इस तकनीक से बिजली बिल नहीं मारेगा करंट

बिजली के भारी-भरकम बिल से परेशान लोगों को सोलर डीसी तकनीक से जल्द ही बड़ी राहत मिल सकती है। उनका बिजली का बिल **हर महीने 60 फीसद तक कम** हो जाएगा। इसकी लागत भी दो कमरे वाले घरों में सिर्फ **25 हजार**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

रुपए के आसपास आती है। आईआईटी मद्रास का दावा है जल्द ही इसका औद्योगिक उत्पादन शुरु हो जाएगा। फिलहाल इस तकनीक के जरिए

क्या है

1. **बिजली की खपत को कम करने वाली सोलर डीसी तकनीक का विकास हाल ही में आईआईटी मद्रास** ने सालों के लंबे शोध के बाद किया है। इसके तहत **सोलर पैनेल को डीसी (डायरेक्ट करेंट) तकनीक** से जोड़ा जाता है। इसके तहत इस्तेमाल होने वाले सारे उपकरण भी जैसे बल्ब, ट्यूबलाइट, पंखा आदि डीसी तकनीक वाले ही होने चाहिए। जिसे बनाने की दिशा में काम शुरु हो गया है।
2. सोलर डीसी तकनीक को विकसित करने वाले आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर अशोक झुनझुनवाला ने बताया कि **दो कमरे वाले घर के लिए एक किलोवाट का सोलर पैनेल पर्याप्त होता है।** जबकि चार कमरे वाले घरों में दो किलोवाट के सोलर पैनेल की जरूरत होगी। इसकी लागत करीब 80 हजार के आसपास होगी।
3. इससे घर में टीवी, पंखा, फ्रिज, एसी, कम्प्यूटर सब चल सकेगा। खास बात यह है कि इस तकनीक के तहत एक ऐसा इलेक्ट्रिक कनवर्टर भी विकसित किया गया है, जिसकी मदद से 230 वोल्ट के एसी (अल्टरनेटिव करेंट) को 48 वोल्ट के डीसी करेंट भी तब्दील कर दिया जाता है।
4. प्रोफेसर झुनझुनवाला का कहना है कि इस तकनीक से चलने वाले उपकरणों को तैयार करने के लिए देश के कई बड़ी इलेक्ट्रिकल कंपनियों ने रूचि दिखाई है। उनकी मानें तो जल्द ही डीसी उपकरण बाजार में उपलब्ध होंगे।
5. **सोलर डीसी तकनीक को लेकर हाल ही में मध्य प्रदेश सहित उत्तर-पूर्व के कई राज्यों ने रूचि दिखाई है।** मद्रास आईआईटी के प्रोफेसर झुनझुनवाला के मुताबिक इन राज्यों ने संपर्क साधा है। जल्द ही इन्हें तकनीक सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि हाल ही में उन्होंने कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और उड़ीसा के एक-एक गांव में सीएसआर फंड की मदद से प्रत्येक घरों को सोलर डीसी तकनीक से लैस किया है।

विश्वविद्यालय अब नहीं चला सकेंगे आनलाइन कोर्स

विश्वविद्यालय अपनी मनमर्जी से अब आनलाइन कोर्स नहीं चला सकेंगे। सरकार ने आनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता को विश्वसनीय बनाने के लिए इसे **देश के सिर्फ 15 फीसदी शीर्ष विश्वविद्यालयों** में ही चलाने का फैसला लिया है। **विश्वविद्यालयों का चयन नैक (राष्ट्रीय मूल्याकंन एवं प्रत्यापन परिषद) की रैकिंग के आधार पर होगा।** केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि इसे लेकर जल्द ही एक नियामक (रेगुलेशन) तैयार किया जाएगा।

क्या है

1. केंद्रीय मंत्री जावड़ेकर 16 जनवरी 2018 को **कैब की 65वीं बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।** उन्होंने बताया कि इसके साथ ही देश में मौजूदा समय में जिन विश्वविद्यालयों में आनलाइन कोर्स संचालित हो रहे है, उन्हें अपनी रैकिंग ठीक करने के लिए दो साल का समय मिलेगा।
2. इसके बाद भी यदि उनकी रैकिंग में सुधार नहीं आया, तो इन कोर्सो को बंद कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि **आनलाइन शिक्षा को लेकर नियामक का प्रारूप एक महीने के भीतर तैयार हो जाएगा।** इसके अलावा आनलाइन शिक्षा के जरिए अब डिग्री, डिप्लोमा और सर्टीफिकेट सभी तरह के कोर्स संचालित हो सकेंगे। वहीं तकनीक शिक्षा को इससे अलग रखा गया है।
3. जावड़ेकर ने बताया कैब की बैठक में भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकन दर (जीईआर) बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई है। **इसे 25 फीसदी से बढ़ाकर 32 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।**
4. राज्यों से जल्द ही योजना बनाकर पेश करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में राज्यों के साथ उच्च शिक्षा में क्षेत्रीय विभिन्नताओं को खत्म करने को लेकर भी चर्चा हुई है। इस दौरान नए कालेज खोलने सहित आनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा हुई है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

5. गौरतलब है कि शिक्षा में सुधार को लेकर राज्यों के साथ होने वाले कैब की यह बैठक पिछले दो दिनों से दिल्ली में चल रही है। इनमें 22 राज्यों के शिक्षा मंत्री सहित 29 राज्यों में हिस्सा लिया था। इस दौरान सभी राज्यों में अपनी दिक्कतें भी गिनाई।

नॉन-टेक्निकल कोर्स में ऑनलाइन पढ़ाई को मंजूरी

बीए और बीकॉम जैसे कोर्स करने के लिए आने वाले समय में कॉलेज जाने की जरूरत नहीं होगी बल्कि घर बैठे ये कोर्स ऑनलाइन किए जा सकेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकारों की बैठक में इस प्रस्ताव पर सहमति बन गई है। **केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (केब)** की बैठक के बाद मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने यह जानकारी दी। जावड़ेकर ने कहा कि **जो कॉलेज और विश्वविद्यालय नैक एक्रीडिटेशन में शीर्ष स्थान पर आएंगे**, सिर्फ उन्हें ही **ऑनलाइन डिग्री, डिप्लोमा और सार्टिफिकेट कोर्स** चलाने की मंजूरी मिलेगी। इस श्रेणी में करीब 15 फीसदी कॉलेज एवं विश्वविद्यालय आते हैं। जावड़ेकर ने कहा कि ऑनलाइन कोर्स को विनियमित कराने के लिए मंत्रालय जल्द नियम बनाएगा। इसी के अनुरूप कॉलेज कोर्स शुरू कर पाएंगे। **ऑनलाइन कोर्स का कटेंट कॉलेज या विश्वविद्यालय खुद तैयार करेंगे।** यह अनुमति सिर्फ गैर तकनीकी कोर्स में ही होगी।

क्या है

1. **अभी ऑनलाइन डिग्री कोर्स को देश में मंजूरी नहीं है।** कुछ कोर्स में सिर्फ 20 फीसदी क्रेडिट ऑनलाइन हासिल करने की अनुमति हाल में दी गई है। स्वयं के तहत छह सौ ऑनलाइन कोर्स शुरू किए गए हैं, जिनमें 17 लाख लोग पढ़ रहे हैं लेकिन ये सभी कोर्स ज्ञान बढ़ाने के लिए हैं।
2. जावड़ेकर ने कहा कि **इस कदम का मकसद उच्च शिक्षा में सकल प्रवेश दर (जीईआर) को बढ़ाना है।** अभी यह 25 फीसदी है जिसे 2022 तक इसे 32 फीसदी तक पहुंचाना है। दूसरे, उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में क्षेत्रीय असंतुलन भी बहुत है, किसी राज्य में तो दाखिला दर 54 प्रतिशत है तो किसी में 14 से 16 प्रतिशत, ऑनलाइन शिक्षा से यह असंतुलन भी दूर हो सकेगा।
3. जिन कॉलेजों को नैक ने **ए या प्लस की रेंकिंग दी है, वे अपने कोर्स में 15 फीसदी दाखिल ऑनलाइन कोर्स में दे सकेंगे।** ये कोर्स जी मैट और जीआरई परीक्षाओं की तरह होंगे, जो पूरी तरह से त्रुटिरहित होंगे। पढ़ाई से लेकर परीक्षा तक ऑनलाइन होगी। परीक्षा तय केंद्री पर होगी। इसके लिए जल्द नियमों की घोषणा की जाएगी।

विविध

शिक्षा सर्वे 2017

देश के 14 से 16 आयु वर्ग के बच्चों में से करीब एक चौथाई अपनी भाषा को बिना रुके फ्लुएंटली नहीं पढ़ सकते हैं। **जबकि, 57 फीसदी बच्चे साधारण गुणा भाग भी ठीक से करने में सक्षम नहीं हैं।** ग्रामीण शिक्षा पर आधारित यह चौंकानेवाली रिपोर्ट 16 जनवरी 2018 को जारी की गई है। हैरान करनेवाली बात ये भी है कि **14 फीसदी बच्चों को जब भारत का मैप दिखाया गया तो उन्हें उसके बारे में कुछ भी मालूम नहीं था।** तो वहीं, 36 फीसदी बच्चों को देश की राजधानी के बारे में नहीं पता है। भारत की ग्रामीण शिक्षा की दिखाती तस्वीर में ये भी निकलकर सामने आया कि **21 फीसदी बच्चों को अपने राज्य के बारे में कुछ नहीं पता है।**

क्या है

1. **द सर्वे फॉर द एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट फॉर रूरल इंडिया इन 2017** नाम से यह सर्वे देश के **24 राज्यों के 28 जिलों में किया गया था।** मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम ने इसे स्तब्धकारी बताते हुए कहा कि इससे यह जाहिर होता है कि वाकई में ग्रामीण शिक्षा की क्या स्थिति है और हमें इस ओर क्या करने की जरूरत है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

2. शुरूआती समये में लड़का और लड़की की पढ़ाई समान है। **लेकिन 14 से 18 की आयु तक आते-आते दोनों के बीच एक बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है**। इसे देखने की जरूरत है।
3. 14 की आयु तक लड़का और लड़की के एडमिशन में किसी तरह का कोई अंतर नहीं है लेकिन 18 वर्ष तक आते ही 32 फीसदी लड़कियां आगे की पढ़ाई छोड़ रही हैं जबकि उसकी तुलना में 28 फीसदी लड़के आगे की पढ़ाई नहीं कर रहे।
4. सर्वे में कुछ साधारण चीजें करायी गई जैसे पैसे की गिनती, वजन और समय का पूछना। जब उन छात्रों से पूछा गया कि ये कितने पैसे हैं? उनमें से करीब एक चौथाई ने गलत जवाब दिया।
5. **करीब 44 फीसदी बच्चे वजन को किलोग्राम में नहीं बता पाए।** समय देखना तो रोजना की बात है जो रोज की दिनचर्या में शामिल है। लेकिन, रिपोर्ट के मुताबिक करीब 40 फीसदी से ज्यादा बच्चे घंटा और मिनट के बारे में तक नहीं बता पाए।

कौन हैं ओपी रावत

1. 2 दिसंबर 1953 को जन्मे ओ.पी. रावत म.प्र. कैडर से 1977 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं।
2. रावत ने म.प्र. में विभिन्न अहम पदों पर काम किया है।
3. वह इंदौर (1986-88) और नरसिंहपुर (1983-86) जिलों के कलेक्टर रहे हैं।
4. वह वर्ष 2004-2006 के बीच तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर के प्रमुख सचिव भी रहे।
5. नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष भी रहे।
6. केंद्र में रावत ने वर्ष 1993 में रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में काम किया।
7. भारी उद्योग मंत्रालय में सार्वजनिक उद्यम विभाग में सचिव भी रहे।
8. रावत देशभर में चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाने की दिशा में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के लिए पहचाने जाते हैं।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ओम प्रकाश रावत ने 23 जनवरी 2018 को **अपना कार्यभार संभाल लिया**। बता दें कि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ए. के. ज्योति कल ही अपने पद से रिटायर हो चुके हैं। इन्हीं के स्थान पर अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ओ.पी. रावत को नियुक्त किया गया था जिसके बाद 23 जनवरी को ओपी रावत इस पद पर आसीन होने वाले थे। **रावत का कार्यकाल इस साल दिसंबर तक समाप्त हो जाएगा।** इसके पहले उन्हें अगस्त 2015 में चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था।

क्या है

1. **2 दिसंबर 1953 को जन्मे रावत मध्यप्रदेश के पूर्व आईएएस कैडर ऑफिसर रह चुके हैं।** तीन सदस्यीय चुनाव निकाय में सुनील अरोरा अन्य चुनाव आयुक्त होंगे। पूर्व वित्तीय सचिव अशोक लवासा को रविवार को चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया था।
2. मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में रावत का पहला काम अगले महीने **त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड** में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराना होगा।
3. **ओमप्रकाश रावत को अगस्त 2015 में चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था।** इससे पहले वह भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय में सचिव रह चुके हैं। इसके अलावा वह रक्षा मंत्रालय में भी निदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें 1994 में हुए संयुक्त राष्ट्र चुनाव के दौरान दक्षिण अफ्रीका में एक ऑब्जर्वर के रूप में प्रतिनियुक्ति मिली थी।

भारत में सबसे ज्यादा पर्यटक

भारत में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक बांग्लादेश से आ रहे हैं। वर्ष 2017 में देश में एक करोड़ से अधिक पर्यटक आए हैं जिनमें करीब **20 फीसदी पर्यटक पड़ोसी देश बांग्लादेश से ही आए हैं।** पर्यटन मंत्रालय के अनुसार **वर्ष 2017 में**

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

देश में 1.01 करोड़ पर्यटक आए जबकि 2016 में यह आंकड़ा 88.04 लाख था। इस तरह 2017 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में 15.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

क्या है

1. खास बात यह है कि **भारत आने वाले सबसे ज्यादा विदेशी पर्यटक बांग्लादेशी हैं।** कुछ समय पहले तक भारत में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक अमेरिका जैसे विकसित देशों से आते थे लेकिन बीते दो साल में बांग्लादेश ने इस मामले में विकसित देशों को पीछे छोड़ दिया है।
2. बांग्लादेश से आने वाले अधिकांश पर्यटक हरदासपुर लैंड चौकपोस्ट के माध्यम से आ रहे हैं। दरअसल **हरिदासपुर लैंड चौकपोस्ट कोलकाता से करीब 200 किलोमीटर दूर है** और इसी के रास्ते अधिकांश बांग्लादेशी पर्यटक भारत में आते हैं। सूत्रों के मुताबिक भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में आए उछाल की एक बड़ी वजह यह रही है।
3. वर्ष 2017 में जनवरी को छोड़कर बाकी सभी **11 महीनों के दौरान देश में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक बांग्लादेश से ही आए।** मई, जून और सितंबर में तो बांग्लादेशी पर्यटकों का अनुपात 29 प्रतिशत से भी अधिक था। हालांकि भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों में दूसरा नंबर अमेरिका का है।

खाप पंचायत पर SC का कड़ा फैसला

अंतर्जातीय विवाह करने वाले किसी भी व्यस्क युवक युवती पर खाप पंचायत द्वारा किए गए हमले को सुप्रीम कोर्ट ने 16 जनवरी 2018 पूरी तरह अवैध करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि **अगर कोई बालिग लड़के-लड़की को शादी करने से रोकता है तो यह गैरकानूनी है।** अगर, बालिग शादी करते हैं तो कोई सोसाइटी, कोई पंचायत, कोई व्यक्ति उन पर सवाल नहीं उठा सकता। सुप्रीम कोर्ट एनजीओ शक्तिवाहिनी संगठन की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें ऑनर किलिंग जैसे मामलों पर रोक लगाने के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग की गई है।

क्या है

1. चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा, जस्टिस ए. एम. खानविल्कर और डी. वाइ. चंद्रचूड़ के बेंच ने एमिकस क्यूरी राजू रामचंद्रन द्वारा पहले दिए गए सुझावों पर केंद्र से प्रतिक्रिया देने की बात कही। परिवार के सम्मान के नाम पर अंर्तजातीय या अलग गोत्र में विवाह करने पर युवाओं की हत्या को रोकने के लिए सुझाव दिए थे।
2. **2010 में एनजीओ सुप्रीम कोर्ट पहुंची और केंद्र व राज्य सरकारों से ऑनर किलिंग को रोकने व नियंत्रित करने के लिए निर्देश देने की बात कही।** इससे पहले ऑनर के नाम पर महिलाओं व दंपत्तियों की हत्या को रोकने के लिए कोर्ट ने खाप पंचायतों को अपना पक्ष पेश करने के लिए बुलाया था।
3. साथ ही केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से खाप पंचायतों द्वारा महिलाओं के खिलाफ अपराधों की निगरानी के लिए एक तंत्र तैयार करने का अनुरोध किया था। कोर्ट ने भी कहा था कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह हरियाणा व उत्तर प्रदेश के तीन जिलों में जायजा लेंगे जहां खाप पंचायत सक्रिय है।

सुखोई में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय महिला मंत्री

जोधपुर स्थित एयरफोर्स स्टेशन में 17 जनवरी 2018 को **भारतीय सेना के लड़ाकू विमान सुखोई-30एमकेआई में उड़ान भरने के बाद रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन ने आभार व्यक्त किया** और इसे अद्‌भुत व गर्व का क्षण बताया। इसके साथ ही वे ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला मंत्री बन गयीं। इस उड़ान पर जाने से पहले उन्होंने **फाइटर पायलट्स से भी मुलाकात की।** उड़ान भरने से पहले सीतारमन का टेस्ट हुआ और यात्रा के दौरान उन्हें वायुसैनिकों के लिए निर्धारित जी-सूट पहनाया गया। इसके बाद फाइटर पायलट की ड्रेस में तैयार होकर सीतारमन विमान में सवार हुई। रक्षा मंत्री ने लड़ाकू विमान के जरिए **राजस्थान में भारत के पश्चिमी मोर्चे का जायजा लिया।**

क्या है

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

1. **रक्षा मंत्री का सुखोई में उड़ान भरने का कार्यक्रम पहले पिछले महीने तय किया गया था** लेकिन उन्हें हिमाचल प्रदेश चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्री की चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए शिमला जाना पड़ा था।
2. इससे पहले वे पोखरण में टैंक की सवारी भी कर चुकी है। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य का और बाड़मेर में उत्तरलाई एयर बेस का दौरा किया था।
3. जामनगर में भारतीय नौसेना बेस की यात्रा के दौरान उन्हें मिग 21 फाइटर प्लेन की जानकारी दी गई थी।

दो युवा वैज्ञानिकों को जीडी बिड़ला सम्मान

विज्ञान के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए के. के. बिड़ला फाउंडेशन की ओर से 16 जनवरी 2018 को **बिड़ला सम्मान दिया गया। वर्ष 2015 के लिए यह सम्मान आईआईटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संजय मित्तल को मैकैनिक्स के क्षेत्र** में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दिया गया। वहीं, **वर्ष 2016 का सम्मान बेंगलुरू स्थित जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च में कार्यरत प्रोफेसर उमेश वी वागमरे को भौतिकी के क्षेत्र** में शोध के लिए दिया गया।

क्या है

1. बिड़ला हाउस में आयोजित इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि विज्ञान का सीधा संबंध, उद्योग, अर्थव्यवस्था व देश के विकास से जुड़ा हुआ है।
2. सिंधिया ने कहा कि विज्ञान के माध्यम से तरक्की का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जीडी बिड़ला जैसे सम्मान से युवा वैज्ञानिकों व विज्ञान के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को काफी प्रोत्साहन मिलता है।
3. **शोध के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए जीडी बिड़ला अवॉर्ड फॉर साइंटिफिक रिसर्च की शुरुआत वर्ष 1991 में की गई थी।**
4. इस सम्मान को विशेष तौर पर ऐसे युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया था जो भारत में रह कर अपना शोध कार्य कर रहे हैं और विज्ञान के क्षेत्र में उनका विशिष्ट योगदान है।

दुनिया में विज्ञान-इंजीनियरिंग स्नातकों की संख्या सर्वाधिक

पूरी दुनिया में 2014 में विज्ञान और इंजीनियरिंग में अनुमानित रूप से सर्वाधिक 75 लाख स्नातक डिग्रियां दी गई, जिनमें **भारत की सबसे ज्यादा, एक-चौथाई हिस्सेदारी** थी। हालांकि, अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में खर्च के लिहाज से अमेरिका पहले स्थान पर है।

क्या है

1. नेशनल साइंस फाउंडेशन की वार्षिक **'साइंस एंड इंजीनियरिंग इंडिकेटर्स- 2018'** रिपोर्ट के मुताबिक, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र में चीन ने असाधारण गति से विकास जारी रखा है।
2. अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी शीर्ष पर है लेकिन इस क्षेत्र से संबंधित गतिविधियों में उसकी वैश्विक हिस्सेदारी कम हो रही है जबकि दूसरे देशों, खासकर चीन की हिस्सेदारी बढ़ रही हैं।
3. चीन में वर्ष 2000 से अबतक स्नातक डिग्रियां देने में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारतीय मर्द को महिलाओं के काम करने पर आपत्ति

भारत में पिछले एक दशक में सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। हालांकि, कार्यक्षेत्र पर भेदभाव और पुरुष वर्चस्व की मानसिकता के कारण भारतीय महिलाओं को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में हुए एक वैश्विक सर्वे में एक बार फिर यह बात सामने आई है। **हर 4 में से एक भारतीय पुरुष का मानना है कि महिलाओं को घर से बाहर काम करने के लिए नहीं जाना चाहिए।** हमारे देश में अभी भी रुढ़िवादिता है इसलिए, विशेषकर अनपढ़ महिलायें काम कम करती है अब समय दूर नही जब महिलाएँ ज्यादा कार्यशील होगी।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

क्या है

1. **भारत में हुए बड़े आर्थिक बदलावों के बाद भी भारतीय महिलाओं की स्थिति में अभी सुधार की बड़ी जरूरत है। पीस ऐंड सिक्यॉरिटी इंडेक्स** में भारतीय महिलाओं की पिछड़ी हुई स्थिति के कारण **131वें स्थान** पर रखा गया है।
2. सर्वे के परिणाम साफ तौर पर बताते हैं कि भारत में आर्थिक और सामाजिक स्तर पर महिलाओं को भेदभाव का सामना करना पड़ता है। देश की महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी भी फिलहाल विश्व के तरक्की पसंद मुल्कों से काफी कम है। **यह इंडेक्स विश्व भर की महिलाओं की समृद्धि और मानसिक शांति के विश्लेषण के आधार पर तैयार किया है।**
3. **इंडेक्स में भारत को 153वां स्थान मिला है।** सर्वे में विश्व की 98 फीसदी जनसंख्या को कवर किया गया। इंडेक्स में भारत को मिली 153वीं रैंक ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि अभी भी देश में गैर-बराबरी की जड़ें बेहद गहरी हैं।
4. **इंडेक्स में पहला स्थान आयरलैंड और दूसरा स्थान नॉर्वे को मिला है।** सर्वे में बेटियों के साथ होनेवाले भेदभाव के मामले में सभी सार्क देशों में से भारत का स्तर सबसे खराब है। महिलाओं की औसत स्कूलिंग के वर्षों में जी-20 देशों में भारत सबसे निचले स्थान पर है।
5. सर्वे में तीन तथ्यों को आधार बनाया गया है। **पहला आधार है महिलाओं के साथ न्याय जिसमें कानूनी स्तर के साथ सामाजिक स्तर भी शामिल** है। **दूसरा पहलू है सुरक्षा जिसमें घर, समुदाय, परिवार और सामाजिक स्तर पर मिलने वाली सुरक्षा शामिल है। तीसरा पहलू है भागीदारी जिसमें सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक क्षेत्रों** में महिलाओं की भागीदारी का आकलन किया गया है।

पहली बार गणतंत्र दिवस 2018 परेड में 'रूद्र'

देश में निर्मित हेलीकॉप्टर रुद्र का जलवा इस बार राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड के दौरान दिखेगा। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने कहा कि रूद्र हेलीकॉप्टर को पहली बार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में शामिल किया जाएगा। ग्रुप कैप्टन राहुल भसीन ने बताया कि भारतीय वायु सेना के फ्लाईपास्ट में 38 एयरक्राफ्ट होंगे जिसमें **21 फाइटर, 12 हेलीकॉप्टर और 5 ट्रांसपोर्टर** शामिल हैं। फ्लाइपास्ट में आसियान का झंडा लिए एक Mi-17 V5 हेलीकॉप्टर भी होगा। **दिल्ली में 19 से 30 जनवरी तक आसियान सम्मेलन** का आयोजन होना है।

रूद्र की खास बातें

1. **रूद्र को बेहतरीन अटैक हेलीकॉप्टर माना जाता है।** देश में निर्मित इस हेलीकॉप्टर में आगे और पीछे स्पेशल कैमरे लगे है। ये कैमरे रात, दिन, खराब मौसम की स्थिति में दुश्मन पर नजर रख सकते हैं।
2. इसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसमें **पायलट के हेलमेट के साथ इस पर लगी गन भी घूमती** है। ऐसी स्थिति में पायलट को दुश्मन को निशाना बनाना आसान हो जाता है।
3. रुद्र में बीस एमएम की टारगेट गन के अलावा हवा से हवा मार करने वाली मिसाइलें भी तैनात है।
4. यह अपनी तरफ आने वाली मिसाइल को हवा में मार गिराने की क्षमता रखता है।
5. रुद्र में एक साथ दो पायलट बैठ सकते है। यह एक साथ 14 लोगों को ले जा सकता है।

'भारत के वीर' का गीत लांच

देश की सेवा के दौरान शहीद हुए अर्धसैनिक बलों के परिवार की मदद के लिए चलाए जा रहे **'भारत के वीर' अभियान** ने अपना गीत लांच किया है। इस अभियान की मदद से **एक जनवरी, 2016 के बाद शहीद हुए जवानों** के परिवार को ऑनलाइन सहायता राशि पहुंचाई जाती है। जानेमाने गायक कैलाश खेर रचित गीत को 20 जनवरी 2018 के दिन **डालमिया भारत ग्रुप की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में लांच किया गया।** इस गाने को खेर ने ही आवाज भी दी है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

क्या है

1. इस मौके पर गृह मंत्री राजनाथ सिंह, किरन रिजिजू, हंसराज अहीर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, गृह सचिव राजीव गाउबा और बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी मौजूद थे।
2. राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमारे सैनिक देश में शांति बनाए रखने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। उनके व उनके परिजनों के लिए जितना किया जाए, कम होगा।' उन्होंने इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए अक्षय कुमार का शुक्रिया अदा किया।
3. **अक्षय कुमार पिछले साल नौ अप्रैल को लांच किए गए इस अभियान के ब्रांड एंबेसडर हैं।** कार्यक्रम के दौरान कैलाश खेर ने कहा, 'इस गाने को डाउनलोड करें। डाउनलोडिंग से जुटाई गई राशि को इस अभियान के लिए दान कर दिया जाएगा। 'भारत के वीर' अभियान का गीत लांच करते हुए अक्षय कुमार ने जानकारी दी कि अब तक इस पोर्टल के जरिये 12.93 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं।

ये चीज लायी थी धरती पर पानी

एक नए अध्ययन में पता चला है कि **पृथ्वी पर कई लाख साल पहले उल्कापिंड के कारण पानी आया था।** इस अध्ययन में ऐसी संभावना जताई गई है कि **सौरमंडल की उत्पत्ति के बाद पहले 20 लाख वर्षों में पृथ्वी पर पानी उल्कापिंड लेकर आए हों।**

क्या है

1. **चूंकि पानी और कार्बन जैसे तत्व पृथ्वी पर जीवन के लिए जरूरी हैं,** शोधकर्ता यह जानना चाहते हैं कि वे हमारी धरती पर कब आए।
2. मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के शोध छात्र एडम साराफियां ने कहा, 'हम जितने संभव हों उतने उल्कापिंडों के मूल स्वरूप की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता कर सकें कि वे शुरुआती सौरमंडल में कहां थे और उनके पास कितना पानी था'।
3. शोध दल को पता चला कि **मूल उल्कापिंडों में संभवत: पृथ्वी के मौजूदा जल भंडार का 20 प्रतिशत हिस्सा था।** साराफियां ने कहा, 'यह मानना आसान है कि पृथ्वी के पूरी तरह से जन्म लेने से पहले से ही पानी बहुत पहले में ही जमा होना शुरू हो गया।
4. इसका मतलब है कि जब पृथ्वी इतनी ठंडी हो गई कि वहां सतह पर पानी स्थिर रह सके, वहां पहले से ही पानी था।

ऑक्सफैम सर्वे

एक सर्वे के अनुसार बीते वर्ष **भारत के कुल धन में से 73 फीसद हिस्सा मात्र एक फीसद अमीर लोगों के पास है।** देश में 67 करोड़ आबादी गरीब है और इनकी इनकम में महज एक फीसद की वृद्धि देखने को मिली है। यह सर्वे अंतरराष्ट्रीय फर्म ऑक्सफैम ने किया है। सर्वे में यह बात सामने आई है कि **देश के एक फीसद अमीर लोग भारत के कुल धन का 58 फीसद हिस्सा सृजित करते हैं।** यह वैश्विक स्तर पर 50 फीसद से भी अधिक है। आय में यह असमानता काफी चिंताजनक बात है।

क्या है

1. **वैश्विक स्तर में संकलित कुल आय में 82 फीसद हिस्सा अमीरों का है** जबकि 3.7 अरब की आबादी का इसमें कोई योगदान नहीं है।
2. साल 2017 की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया था कि हर दो दिनों में एख अरबपति बन रहा है। **साल 2010 से अरबपतियों का धन 10 फीसद की दर से बढ़ा है।**
3. इस सर्वे में बताया गया है कि भारत में अमीरों की आय के बराबर कमाने के लिए देश के मिडल क्लास वर्ग के लोगों को 941 वर्ष लग जाएंगे।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

4. रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर में अमीरों की संपत्ति तेजी से और निरंतर बढ़ रही है। वहीं, **करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी कमाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।**
5. रिपोर्ट में सामने आया है कि वर्ष 2010 के बाद से अरबपतियों की संपत्ति 13 फीसद की दर से बढ़ रही है। यह श्रमिकों के वेतन से छह फीसद अधिक है।

एनजेएसी मामले में सुप्रीम कोर्ट मार्च में सुनवाई को सहमत

एनजेएसी (नेशनल जूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन) एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में सुनवाई के लिए सहमति दी है। चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की बेंच ने अदालती कार्यवाही की वीडियो रिकार्डिंग व सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट में रिक्त पदों के विज्ञापन निकालने के मामले में भी विचार करने को कहा है।

क्या है

1. गौरतलब है कि 2015 में पांच जजों की संविधान बेंच ने **एनजेएसी एक्ट के साथ कांस्टीट्यूशन (99वें संशोधन) एक्ट 2014** को खारिज कर दिया था।
2. बेंच ने सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्टों में जजों की नियुक्ति व स्थानांतरण के लिए कोलेजियम प्रणाली पर मुहर लगाई थी। **पांच में से केवल एक जज ने इस फैसले के विरोध में मत दिया था।** जस्टिस जे चेलामेश्वर ने संविधान संशोधन को तब जायज ठहराया था।
3. चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा, जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड व जस्टिस ए.एम. खानविलकर की बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। अधिवक्ता मैथ्यूज जे. नेदमपारा का कहना था कि **पहले भी जब एनजेएसी एक्ट की वैधानिकता पर सुनवाई होनी थी,** तब वरिष्ठ वकीलों की वजह से उसे टालना पड़ा। उनकी दलील थी कि एक्ट को लागू किया जाना चाहिए, क्योंकि कोलेजियम प्रणाली में पारदर्शिता का अभाव है।
4. **नेदमपारा ने तीन याचिकाएं लगाई थीं।** इसमें वीडियो रिकार्डिंग के साथ रिक्त पदों के विज्ञापन निकाले जाने की मांग भी शामिल है, जिससे अधिवक्ता भी सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्टों में जजों के लिए आवेदन कर सकें। चीफ जस्टिस ने कहा कि मार्च में एक साथ तीनों याचिकाओं की सुनवाई की जाएगी।

देश की बहादुर बेटियां उड़ाएंगी मिग-21

अगले एक महीने या उससे कुछ पहले ही भारत की बहादुर बेटियों को आप आसमान में हिम्मत की उड़ान भरते देख सकेंगे। देश में पहली बार वायु सेना की महिला पायलट **अवनि चतुर्वेदी, भावना कांत और मोहना सिंह** अकेले ही सुपरसॉनिक फाइटर जेट उड़ाएंगी। इन तीनों महिलाओं ने पहले ही इतिहास अपने नाम दर्ज कर लिया है। **तीनों भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमान उड़ाने वालीं पहली महिला पायलट हैं।**

क्या है

1. तीनों ही एयरफोर्स की कठिन प्रशिक्षण ट्रेनिंग पूरा कर चुकी हैं। **तीनों युद्धक विमान पायलट मिग-21 बाइसन्स जेट उड़ाएंगी।** इसके संकेत पूर्व में ही एयरचीफ इंडियन एयरफोर्स ने अपनी ताकत का जानदार प्रदर्शन किया।
2. **मिग-21 बाइसन्स की टेक-आफ और लैंडिंग स्पीड सबसे अधिक तकरीबन 340 किमी. प्रति घंटे की है।** तीनों अपने एयरबेस स्टेशन से उड़ान भरेंगी।
3. अब तक तीनों ने सोलो सोर्टिज जैसे पायलट्स पीसी-7, किरन और हॉक जेट ही उड़ाया है। ऐसे विमानों को उड़ाना गुरिल्ला ट्रेनिंग के दौरान काफी आसान समझा जाता है। अब अवनि और भावना मिग-21 जैसे युद्धक बड़े लड़ाकू विमानों को उड़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।
4. **अवनि ने मिग-21 टाइप 69 में अपने प्रशिक्षक के साथ उड़ान भरना भी शुरू कर दिया है।** फिलहाल वह प्रशिक्षक के साथ टू सीटर मिग में उड़ान भर रही हैं। जल्द ही अकेले उड़ान भरकर इतिहास रचेंगी।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

5. **भावना भी जल्द ही अंबाला एयरबेस से उड़ान भरेगी।** कालीकुंडा एयरबेस पर तैनात मोहाना को अभी इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। फिलहाल वह हॉक एडवांस्ड जेट उड़ाने की ट्रेनिंग ले रही हैं। उनको भी जल्द ही ऑपरेशनल स्कवॉडरन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विदेशी पर्यटकों की संख्या पहली बार एक करोड़ के पार

केंद्रीय पर्यटन मंत्री के. जे. अल्फोंस ने बताया कि **भारत पहुंचने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या पहली बार एक करोड़ के आंकड़े को पार गई है।** उन्होंने **नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी)**, नोएडा द्वारा आयोजित एक समारोह में बताया कि इस क्षेत्र में वर्ष 2017 में 15.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

क्या है

1. **भारत में अकेले पर्यटन क्षेत्र ने पिछले साल 27.7 अरब अमेरिकी डॉलर (180379 करोड़ रुपये) अर्जित किए** और जीडीपी में 6.88 प्रतिशत का योगदान दिया। इस क्षेत्र ने कुल रोजगार के रूप में 12.36 फीसदी भागेदारी निभाई।
2. **2017 में 15.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ भारत पहुंचने वाले विदेशी पर्यटकों** का आंकड़ा एक करोड़ के पार चला गया है। सरकार की समग्र नीतियों विशेषकर विशिष्ट देशों के लिए ई-वीजा प्रदान करने और वीजा ऑन अराइवल के चलते इस क्षेत्र में विकास की बड़ी संभावना है।

राष्ट्रीय बहादुरी पुरस्कार 2018

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **18 बच्चों को राष्ट्रीय बहादुरी पुरस्कार से सम्मानित किया।** जिन 18 बच्चों को बहादुरी पुरस्कार के लिए चुना गया है उसमें से **तीन बच्चों को यह पुरस्कार मरणोपरांत दिया जा रहा है।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में इन बच्चों से मुलाकात की थी। ये सभी बच्चे राजपथ पर होने वाली 26 जनवरी की परेड में ये बच्चें हिस्सा लेंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इन बच्चों के लिए एक स्वागत कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। **मरणोपरांत पुरस्कार पाने वालों के परिजन यह सम्मान लेंगे।** सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत भी इन बच्चों को सम्मानित कर चुके हैं।

क्या है

1. **भारत पुरस्कार विजेता 16 साल नौ माह की नाजिया आगरा के मंटोला की रहने वाली हैं।** नाजिया ने अपने घर के पड़ोस में कई दशकों से चल रहे जुए और सट्टे के अवैध व्यवसाय के खिलाफ आवाज उठाई। इसके लिए पहले सबूत जुटाए और फिर 13 जुलाई 2016 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।
2. नाजिया की पहल से चार लोगों की गिरफ्तारी हुई और व्यवसाय बंद हो गया। बेहद सामान्य परिवार की नाजिया के इस कदम के बाद उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया। न वह स्कूल जा पाती थी और न ही घर से बाहर।
3. उसके माता-पिता को भी उसके इस कदम के लिए सताया गया। यहां तक कि उनकी भी पिटाई की गई। प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत के बाद राहत न मिलने पर परेशान होकर नाजिया ने ट्वीट करके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मदद मांगी। ट्वीट पर कार्रवाई हुई और उसे सुरक्षा दी गई। साथ ही बदमाशों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू हुई।

पंकज सेमवाल (उत्तराखंड)

1. जान की फिक्र किए बगैर, **गुलदार के मुंह से अपनी मां की जान बचाने के लिए अब टिहरी जिले के पंकज सेमवाल को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार मिलेगा।**
2. टिहरी गढ़वाल जिले के प्रतापनगर के नारगढ़ गांव में 10 जुलाई की रात पंकज सेमवाल अपनी माता विमला देवी और अपने भाई-बहन के साथ दूसरी मंजिल पर घर के बरामदे में सो रहे थे। रात 1 बजे गुलदार ने घर की सीढ़ियों से घात लगाकर विमला देवी पर हमला कर दिया।
3. विमला देवी के शोर मचाने पर पंकज जाग गए और बहादुरी के साथ अपने पास में रखे हुए डंडे से गुलदार पर वार करने लगे। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए और घायल विमला देवी को अस्पताल पहुंचाया।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

पांच श्रेणियों में दिए जाते हैं वीरता पुरस्कार

1. भारत पुरस्कार
2. गीता चोपड़ा पुरस्कार
3. संजय चोपड़ा पुरस्कार
4. बापू गैधानी पुरस्कार
5. सामान्य राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार

इन्हें भी किया जाएगा सम्मानित

राज्य	**नाम**
नगालैंड	मानसा एन (13)
	एन शांगपोन कोनयक (18)
	योकनी (18)
	चिंगाई वांगसा (18)
गुजरात	समृद्धि सुशील शर्मा (17)
मिजोरम	जोनुनलुआंगा (16)
उत्तराखंड	पंकज सेमवाल (16)
महाराष्ट्र	नदाफ एजाज अब्दुल राउफ (17)
ओड़िशा	पंकज कुमार महंत

'तेजस' की नींव रखने वाले को मिला पद्म श्री

बिहार के दरभंगा के डॉ मानस बिहारी वर्मा को पद्म श्री अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। हाल में एयरफोर्स के बेड़े में शामिल 'तेजस' विमान की नींव रखने वाले वैज्ञानिकों में एक **वैज्ञानिक डॉ मानस बिहारी वर्मा** भी इसी गांव से हैं। **दरभंगा जिले के घनश्यामपुर प्रखंड अंतर्गत पूर्वी एवं पश्चिमी कमला तटबंध** के मध्य अवस्थित पूर्णत: बाढ़ ग्रस्त एक छोटे से गांव बाउर में 1946 में जन्मे डॉ मानस बिहारी वर्मा का भारत का तेज बढ़ाने वाली 'तेजस' के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

क्या है

1. **मानस वर्मा की शुरूआती पढ़ाई लिखाई गांव के ही जवाहर हाइस्कूल, मधेपुर में ही हुई है।** यहां से 10वीं पास कर पटना साइंस कॉलेज और बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज से उच्च और तकनीकी शिक्षा प्राप्त किया।
2. **2001 में हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) 'तेजस' ने पहली बार उड़ान भरा था।** तब श्री वर्मा एलसीए प्रोजेक्ट के डायरेक्टर थे।
3. डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निकटतम सहयोगी रहे।
4. 2005 में एलसीए के प्रोग्राम डायरेक्टर और एयरनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के डायरेक्टर रहते हुए रिटायर हुए।

भारत के बेरोजगारी पर ILO की रिपोर्ट

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संगठन की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि **वर्ष 2017 से 2019 के दौरान भारत में नौकरियों पर संकट होगा।** ऐसा नहीं है कि इस अवधि में नौकरियां नहीं होंगी, लेकिन इनका स्तर ठीक नहीं होगा। संगठन ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि **भारत सहित एशिया के देशों में दो से ढाई करोड़ के बीच नौकरियों का सृजन तो होगा,** लेकिन वे अच्छे किस्म की नहीं होंगी।

क्या है

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

1. **भारत पर भी इसका खासा प्रभाव पड़ेगा।** यहां लगभग 39 करोड़ लोगों के पास ढंग का काम नहीं होगा जिसकी मार सबसे ज़्यादा युवाओं को झेलना होगी। इसका मतलब ये हुआ कि **भारत में 77 प्रतिशत कर्मचारी अच्छे जॉब के लिए परेशान हो रहे होंगे।** बेरोजगारी दर भी बढ़ने की आंशका है।
2. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि **दक्षिण एशिया में 72 प्रतिशत, दक्षिण पूर्व एशिया में 46 एवं पूर्वी एशिया में 31 प्रतिशत कर्मचारियों** के पास बेकार जॉब होंगे। यह स्थिति काफी चिंताजनक होगी।
3. नौकरियों के मुद्दे पर विपक्ष की आलोचनाओं का सामना कर रही सरकार उन योजनाओं के आवंटन में अच्छी वृद्धि कर सकती है जिनसे युवाओं को रोजगार मिलता है। इन योजनाओं में मनरेगा से लेकर पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए चल रही योजनाएं शामिल हैं।
4. रोजगार सृजित करने वाले कार्यक्रमों का बजट बढ़ना तय है। फिलहाल अलग-अलग मंत्रलयों में करीब आधा दर्जन ऐसी योजनाएं चल रही हैं जिनका सीधा संबंध रोजगार सृजन से है। इन योजनाओं के बजट में बड़ी वृद्धि होने का अनुमान है।

पद्म अवॉर्ड का ऐलान

विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाओं और उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिए जाने वाले पद्म पुरस्कारों का ऐलान कर दिया गया है। इस बार 85 लोगों को पद्म अवार्ड दिए गए हैं। तीन लोगों को पद्म विभूषण, नौ लोगों को पद्म भूषणऔर 73 लोगों को पद्म श्री से नवाजा गया है। सरकार ने इस बार भी देश के सर्वोच्च सम्मान पुरुस्कारों में गुमनाम चेहरों को महत्व दिया है। पद्म श्री पुरुस्कार पाने वालों में अरविंद गुप्ता-साहित्य और शिक्षा (महाराष्ट्र), भज्जू श्याम-कला(पेंटिंग) मध्यप्रदेश, लक्ष्मी कुट्टी-औषधि (सर्प दंश) केरल, सुशांशु बिस्वास-समाज सेवा(पश्चिम बंगाल), एम. आर. राजगोपाल-औषधि(केरल), मुरलीकांत पेटेकर-खेल, महाराष्ट्र, सुलागट्टी नरसम्मा-औषधि (कर्नाटक), विजय लक्ष्मी नवनीतिकृष्णन-साहित्य और शिक्षा-महाराष्ट्र, सुभासिनी मिस्त्री-समाज सेवा, पश्चिम बंगाल, राजगोपालन वासुदेवन-विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश के अनवर जलालपुरी साहित्य व शिक्षा के लिए शामिल हैं। केरल के रहने वाले एम. आर. राजगोपाल को चिकित्सा मसीहा के रूप में जाना जाता है। अनुपयोगी सामान से खिलौले वाले बनाने वाले अरविंद गुप्ता को सम्मान दिया गया है। हर्बल दवाओं के क्षेत्र में काम करने वाली लक्ष्मी कुट्टी को सम्मानित किया गया है।

इनको मिला पद्म विभूषण

1. **कला के क्षेत्र में तमिलनाडु की इल्याराज को पद्मविभूषण सम्मान** से नवाजा गया है।
2. महाराष्ट्र के गुलाम मुस्तफा खान को कला के क्षेत्र में योगदान के लिए **पद्म विभूषण सम्मान मिला है।**
3. साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए केरल के परमेश्वरन को पद्म विभूषण दिया गया।
4. जिन नौ लोगों को पद्म भूषण सम्मान दिया गया है उनमें **पंकज आडवाणी को खेल के क्षेत्र में, महेन्द्र सिंह धोनी को क्रिकेट में योगदान के लिए,** केरल के फिलीपोज मार क्रिसोटम को पब्लिक अफेयर्स के क्षेत्र में, रूस के अलेक्जेंडर कदाकिन को पद्म भूषण सम्मान मिला है।
5. पुरातत्व के क्षेत्र में तमिलनाडु के रामचंद्रन नागास्वामी, साहित्य और शिक्षा के वेद प्रकाश नंदा को पद्मभूषण सम्मान दिया गया है। नंदा अमेरिका में रहते हैं। पेंटिंग के क्षेत्र में लक्ष्मण राय, संगीत के क्षेत्र में अरविंद पारिख और बिहार की शारदा सिन्हा को कला व संगीत क्षेत्र में पद्म भूषण सम्मान से नवाजा गया है।

पद्मश्री पाने वालों में यूपी, बिहार के भी

1. **पद्म श्री पाने वालों में उत्तरप्रदेश के मोहन स्वरूप भाटिया लोककलाकार,** झारखंड के दिगंबर हंसदा को साहित्य व शिक्षा, उत्तरप्रदेश के अनवर जलालपुरी को साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में शामिल हैं। उत्तरप्रदेश के ही भगीरथ प्रसाद त्रिपाठी, को साहित्य, बिहार के मानस बिहारी वर्मा को विज्ञान व इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पद्म पुरुस्कार से नवाजा गया है।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

2. पद्म पुरुस्कारों में कई विदेश में रहने वाले लोगों को सम्मान से नवाजा गया है। लेकिन आसियान देशों से भारत की निकटता को प्रदर्शित करते हुए वियतनाम, कंबोडिया, म्यांमार, इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रुनेई, लाओस, थाइलैंड, फिलीपींस में रहने वाले लोग पद्म पुरुस्कारों की सूची में हैं।
3. **नेपाल, अमेरिका, यूएस, रूस, जापान, सऊदी अरब, तजाकिस्तान के लोगों को भी सम्मान से नवाजा गया है।**
4. पिछले साल 89 लोगों को पद्म पुरस्कार दिए गए थे। आजादी के बाद से पिछले साल तक कुल 4417 हस्तियों को देश के प्रतिष्ठित अवॉर्ड दिए जा चुके हैं.
5. कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, लोक मामलों, सिविल सेवाओं, व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में ये पुरस्कार दिए जाते हैं।

69वां गणतंत्र दिवस पर पहली बार

69वें गणतंत्र दिवस के मौके पर इस बार राजपथ का नजारा बेहद खास रहा। जहां **सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल** ने भारत के ताकतवर जंगी बेड़े का परिचय दिया तो वहीं कई ऐसी पहली बार कई ऐसी चीजें इस बार राजपथ पर लोगों को देखने को मिली।

क्या हुआ

1. इस बार गणतंत्र दिवस के मौके पर परेड में **10 आसियान देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने राजपथ की शोभा बढ़ाई।** आसियान देशों में थाइलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीनस, सिंगापुर, म्यांमा, कंबोडिया, लाओस और ब्रूनेई के प्रमुख शामिल थे।
2. **गणतंत्र दिवस के मौके पर इस बार पुरुष नहीं बल्कि बीएसएफ की महिला बाइकर्स खतरनाक स्टंट करती नजर आई।** दिल्ली के राजपथ पर हर साल पुरुष जवान हैरतअंगेज करतब दिखाते हैं लेकिन इस बार महिलाओं ने अपना दमखम दिखाया। इस बार ऐसा पहला मौका है जब बीएसएफ की महिला बाइकर ने राजपथ में परेड के दौरान हिस्सा लिया। ये नजारा बेहद रोमांचित और हैरान कर देनेवाला था।
3. भारतीय वायुसेना की ओर से किए जाने वाले फ्लाई-पास्ट में भी हेलीकॉप्टर्स पर तिरंगे और तीनों सेनाओं के झंडों के अलावा एशियान का झंडा भी लहराता दिखाई दिया।
4. **परेड के दौरान हथियारों का पता लगाने वाले रेडार स्वाति को भी शामिल किया गया।** यह रेडार सात लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक करने में सक्षम है।
5. पहली बार फ्लाईपास्ट में वायुसेना के **लड़ाकू हेलीकॉप्टर, रूद्र भी परेड का हिस्सा बना।**
6. परेड में झांकियों की आगवानी ऑल इंडिया रेडियो की झांकी ने की।
7. जम्मू-कश्मीर के बर्फीले कराकोरम पास से लेकर अरुणाचल प्रदेश के जेछाप ला तक के 3488 किमी लंबे बार्ड की निगरानी करने वाली आइटीबीपी (इंडो-तिब्बत बार्डर पुलिस) की परेड जब राजपथ पर निकली तो नजारा अनूठा था। स्नो स्कूटर्स पर निकली परेड में बर्फीली चौकियों का दृश्य दिखा, तो चीनी सेना का भी दीदार किया गया।
8. पांच राज्यों में देश की सीमा की रक्षा करने वाली आइटीबीपी दुर्गम इलाकों में रहकर दुश्मन की सेना का सामना करती है। जो कैनवास झांकी का हिस्सा था। **राजपथ पर निकली परेड में आखिरी बार आइटीबीपी की झांकी 1998 में शामिल हुई थी।**
9. नौसेना के स्वदेशी निर्मित एयरक्राफ्ट करियर विक्रांत (आईएसी) को भी परेड में शामिल किया गया। इसे 2020 में शामिल किया जाएगा।

साल का हिंदी शब्द घोषित

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरीज ने अंग्रेजी शब्द की तरह **पहली बार वर्ष के हिंदी शब्द की घोषणा की है** और **जयपुर साहित्योत्सव (जेएलएफ) में 'आधार' को वर्ष 2017 का हिंदी शब्द घोषित किया गया।** जयपुर में आयोजित किए जा

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

रहे जेएलएफ में एक संगोष्ठी में इसकी घोषणा की, जिसमें कवि अशोक वाजपेयी, वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ और वरिष्ठ साहित्यकार चित्रा मुदगल आदि ने भाग लिया।

क्या है

1. चयन समिति के सामने कई हिंदी शब्दों में से एक को चुनने की चुनौती थी और **अंतिम चयनित शब्दों में आधार के साथ नोटबंदी, स्वच्छ, योग, विकास तथा बाहुबली जैसे शब्द थे** और इनमें से 'आधार' को चुना गया।
2. **'वर्ष का हिन्दी शब्द, एक ऐसी अभिव्यक्ति है जिसने सबसे ज्यादा ध्यान आकृष्ट किया हो** तथा जो पिछले साल की प्रकृति, भाव तथा मनोदशा का समग्र रूप से चित्रण करता हो।
3. **हिन्दी भाषा में 'आधार' मौलिक रूप से स्थापित शब्द है।** हालांकि आधार कार्ड या विशिष्ट पहचान संख्या के रूप में इसने एक नया सन्दर्भ ग्रहण किया। इस नये सन्दर्भ में यह शब्द पिछले साल राष्ट्रीय परिचर्चा के केंद्र में आ गया जब आधार योजना के विस्तार के परिणामस्वरूप बैंक खातों तथा फोन नंबरों को इससे जोड़ा जाने लगा।
4. कई हिंदी शब्दों में से एक का चुनाव करने वाली समिति में शामिल लेखिका नमिता गोखले ने कहा, "उन शब्दों को ढूंढना जो 2017 को पारिभाषित करते हों, बेहद मजेदार और प्रेरक अनुभव रहा।"

पंजाब रेजीमेंट और आइटीबीपी को बेस्ट मार्चिंग का पुरस्कार

गणतंत्र दिवस पर आयोजित परेड में **पंजाब रेजीमेंट और आइटीबीपी के जत्थे को बेस्ट मार्चिंग दल का पुरस्कार मिला है। सेना की पंजाब रेजीमेंट को तीनों सेनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खिताब मिला** तो अर्धसैनिक बलों में से आइटीबीपी का प्रदर्शन सराहा गया।

क्या है

1. **रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने दोनों को यह पुरस्कार दिया।** राजपथ पर **इस बार 23 राज्यों की झांकियों ने रंगत बिखेरी,** इसमें **महाराष्ट्र को सबसे ज्यादा सराहना मिली है। उसे पहला पुरस्कार दिया गया है।**
2. **महाराष्ट्र की झांकी छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित रही।** झांकियों में दूसरे नंबर पर असम रहा। जबकि तीसरा स्थान छत्तीसगढ़ की कृति को मिला। राज्य के कलाकारों ने महाकवि कालिदास की रचना मेघदूतम को अपना थीम बनाया था।
3. केंद्र सरकार के मंत्रालयों में से सबसे सुंदर कृति युवा मामलों व खेल मंत्रालय की रही। **इसका थीम खेलो इंडिया था।** विदेश मंत्रालय की झांकी में भारत व आसियान देशों के दोस्ताना ताल्लुकात को एक शक्ल देने की कोशिश हुई।
4. राजपथ पर स्कूल के बच्चों ने भी अपनी प्रस्तुति से मन मोहा। इस श्रेणी में नागपुर के साउथ सेंट्रल जोन कल्चरल सेंटर को पहला स्थान मिला।
5. **नार्थ ईस्ट जोन कल्चरल सेंटर दीमापुर (नगालैंड) व दिल्ली के नजफगढ़ में स्थित आक्सफोर्ड फाउंडेशन स्कूल को सांत्वना पुरस्कार मिले।** गणतंत्र दिवस की परेड में इस बार आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्ष मौजूद रहे। 28 जनवरी 2018 को सभी विजेताओं को पुरस्कार से नवाजा गया।

IPL में एंट्री करने वाले पहला नेपाली क्रिकेटर

संदीप लामिछाने आईपीएल करार हासिल करने वाले नेपाल के पहले क्रिकेटर बन गए। दिल्ली डेयरडेविल्स ने 28 जनवरी 2018 को हुई आईपीएल की निलामी में उन्हें खरीदा। **संदीप आईपीएल नीलामी में शामिल एकमात्र नेपाली खिलाड़ी हैं।** 17 वर्षीय संदीप को उनके आधार मूल्य 20 लाख रूपये में खरीदा गया है। **संदीप ने 2016 अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था** जिससे नेपाल आठवें स्थान पर रहने में सफल रहा था। संदीप ने 6 मैचों में 17 की औसत और 4.67 के इकोनोमी रेट से 14 विकेट लिए थे और **वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर थे।**

क्या है

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

1. **संदीप ने 2 अभ्यास मैचों में 5 विकेट लिए थे** तथा वह नेपाल के न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच का भी हिस्सा थे जिसे उन्होंने 32 रन से जीता था। उनके 5 विकेट की मदद से नेपाल ने आयरलैंड पर 8 विकेट से जीत दर्ज करके दूसरी बार नाकआउट में प्रवेश किया था।
2. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क भी संदीप के प्रदर्शन से प्रभावित थे जिन्होंने इस किशोर को हांगकांग टी 20 ब्लिट्ज में कोउलून कांटून्स की तरफ से खेलने के लिए चुना था।
3. **सायंग्जा में जन्में संदीप के पिता भारतीय रेलवे में काम करते थे** और उन्होंने अपने दो तीन साल भारत में भी बिताए। इस दौरान वह सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ जैसे खिलाड़ियों से प्रभावित हुए। वह ऑस्ट्रेलिया के स्पिन दिग्गज शेन वार्न से भी प्रेरित रहे हैं।

दावोस सम्मेलन में 'भारत मतलब कारोबार' पर हुई सर्वाधिक चर्चा

स्विट्जरलैंड के दावोस में हुए वर्ल्डस इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के चार दिन के कार्यक्रमों के दौरान **भारत मतलब व्यापार (इंडियामीन्सबिजनेस) सोशल मीडिया में बहस का सबसे चर्चित विषय रहा।** यह जानकारी अमेरिकी एनालिटिक्स कंपनी ने दी है। इंटरनेशनल सोशल मीडिया एनालिटिक्स कंपनी टाकवाकर ने कहा कि **भारत मतलब व्यापार विषय के हैशटैग पर 39,251 बार उल्लेख किया गया।** चर्चाओं की रैंकिंग में **महिला पर 35,837, अमेरिका फर्ट्ग पर 31499, वैल्थ पर 22896, आर्टिफिशियल इंटेलीसेंज पर 19,018, ग्लोबलिज्म पर 16513, क्लाइमेट चेंज पर 15,477, फेक न्यूज पर 13,567 और ब्लॉकचेन पर 12918 बार** उल्लेख किया गया।

क्या है

1. **अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उल्लेख सबसे ज्यादा 173,000 बार हुआ।** सबसे ज्यादा चर्चाओं में रहने वाली हस्तियों में **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरे नंबर पर रहे।** उनका उल्लेख 62,227 बार किया गया।
2. इसके बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैकरोन (40,975), ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे (27,791), कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड्यू (25,809, जर्मनी के राष्ट्रपति एजिला मार्केल (23,897) और बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान का 13,573 बार उल्लेख सोशल मीडिया पर किया गया।
3. पिछले सप्ताह के दौरान दावोस का उल्लेख 22 लाख बार किया गया। पिछले साल 795,000 बार इसका उल्लेख हुआ था। सबसे ज्यादा चर्चाओं में ऑक्सफेम की संपत्ति असमानता पर रिपोर्ट रही।
4. इसमें दुनिया भर में 82 फीसद संपत्ति दुनिया के एक फीसद अमीरों के हाथ में होने की बात कही गई थी। दूसरे नंबर के चर्चित मसले के मुकाबले इस रिपोर्ट पर दोगुनी चर्चा हुई।
5. मोदी ने अपने भाषण में भारत में कारोबार को बढ़ावा देने की बात कही थी। इस पर भी काफी चर्चा हुई। क्लाइमेंट साइंस पर भरोसा करने से ट्रंप के इन्कार पर मैकरोन के मजाक भी काफी चर्चित रहा।

तेजाब हमले के पीड़ितों को अब मिलेगा आरक्षण

ऑटिज्म, मानसिक व्याधियों, बौद्धिक अक्षमता और तेजाब हमला पीडितों को अब **केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण मिलेगा। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी)** ने इस बारे में एक आधिकारिक आदेश जारी किया है। अपने आदेश में कार्मिक विभाग ने कहा है **कि समूह ए, बी और सी श्रेणी की नौकरियों के लिए सीधी भर्ती के मामले में मानक अक्षमता से ग्रस्त दिव्यांगों के लिए आरक्षण की व्यवस्था मौजूदा तीन प्रतिशत से बढ़कर कुल रिक्तियों का चार फीसद हो जाएगा। मानक अक्षमता (बेंचमार्क डिस्एबिलिटी) का मतलब किसी व्यक्ति में विशिष्ट दिव्यांगता 40 प्रतिशत से कम नहीं हो।**

क्या है

1. आदेश में आगे कहा गया है कि **प्रत्येक एक प्रतिशत पद ऑटिज्म (स्वलीनता यानी अपने आप में खोए रहना), बौद्धिक अक्षमता,** सीखने-समझने की विशिष्ट दिव्यांगता एवं मानसिक व्याधियों से ग्रस्त लोगों के लिए भी आरक्षित होगा।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

2. सीखने-समझने की अक्षमता से ग्रस्त लोगों एवं तेजाब हमला पीडितों के लिए आरक्षण कोटा बढ़ाने का यह कदम **दिव्यांगता अधिकार अधिनियम 2016** के पारित एवं अधिसूचित होने के बाद उठाया गया है।
3. इससे पूर्व 2005 के डीओपीटी के आदेश के अनुसार कुल पदों का तीन प्रतिशत दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित होता था। इसके तहत दृष्टिहीन या कम दिखाई देने वाले, बधिर एवं सेरेब्रल पाल्सी समेत चलने-फिरने में अक्षम लोगों के लिए पहले भी एक फीसद आरक्षण की व्यवस्था थी।

ग्लोबल रैंकिंग में IIM बेंगलुरु

आईआईएम बेंगलुरु (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट) और आईआईएम कोलकाता ने ग्लोबल रैंकिंग में सुधार किया है। 'फाइनेंशियल टाइम्स लंदन' द्वारा जारी किए गए ग्लोबल रैंकिंग में आईआईएम बेंगलुरु **49वें स्थान से 35वें स्थान** पर पहुंच गया है, जबकि **आईआईएम कोलकाता 95वें स्थान से 78वें स्थान पर आ गया है।**

क्या है

1. **वहीं आईआईएम अहमदाबाद और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस की रैंकिंग में गिरावट आई है।** इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस पिछले साल 27 वें स्थान पर था जो इस साल एक पायदान नीचे 28वें पर पहुंच गया है, जबकि आईआईएम अहमदाबाद भी 29वें 31 पायदान पर पहुंच गया है। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस को पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम की वजह से विश्व के टॉप 100 कॉलेजों में 28वें स्थान पर रखा गया है।
2. फाइनेंशियल टाइम्स लंदन द्वारा जारी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2018 में टॉप 10 में शामिल संस्थान नीचे हैं...
    1. स्टैनफोर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑ बिजनेस, यूनाइटेड स्टेट्स
    2. इनसीड फ्रांस/सिंगापुर
    3. यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया
    4. लंदन बिजनेस स्कूल
    5. हार्वर्ड बिजनेस स्कूल
    6. यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो
    7. कोलंबिया बिजनेस स्कूल
    8. चाइना यूरोप इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल
    9. एमआईटी स्लोन, यूएसए
    10. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया

दुनिया का दूसरा सबसे सस्ता देश है भारत

112 देशों में रहने और रिटायर होने के मामले में सबसे सस्ते देशों में भारत दूसरे स्थान पर है। अमेरिकी संस्था **गोबैंकिंगरेट्स के ताजा सर्वे में यह दावा किया गया है।** इसमें **दक्षिण अफ्रीका का पहला स्थान है।** चार मापदंडों के आधार पर हुए इस सर्वे में **स्थानीय क्रय शक्ति सूचकांक, मकान किराया सूचकांक, सामान सूचकांक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक** शामिल हैं। सभी देशों की तुलना इन मापदंडों पर न्यूयॉर्क से की गई है। भारत अपने पड़ोसी देशों में भी सबसे सस्ता है। वहीं सबसे महंगा देश 112वीं रैंक के साथ बरमूडा है। 111वीं रैंक बहामास और 110वीं रैंक हांगकांग की है।

क्या है

1. **संस्था ने प्रत्येक देश के स्थानीय क्रय शक्ति सूचकांक, मकान का किराया, खाद्य वस्तुओं और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की तुलना अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर से की है।**
2. इसी आधार पर प्रत्येक देश की रैंकिंग की गई है। इनमें सबसे सस्ते 50 देशों में मकान का किराया न्यूयॉर्क की तुलना में 70 फीसद, खाद्य पदार्थ 40 फीसद तक सस्ते और वस्तुओं व सेवाओं की दर 30 फीसद तक सस्ती है।
3. सबसे सस्ते 50 शहरों में भारत की जनसंख्या (1.25 अरब) सर्वाधिक। देश में टेक्सटाइल्स, केमिकल्स और फूड प्रोसेसिंग प्रमुख उद्योगों में से हैं। बड़े शहरों में किए गए सर्वे के आधार पर यहां स्थानीय क्रय शक्ति अधिक है। देश में

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

वस्तुओं और खाद्य सामग्रियों की दर कम हैं। मसलन कोलकाता में एक व्यक्ति 285 डॉलर प्रतिमाह (करीब 18 हजार रुपये) के खर्च पर रह लेता है।

हाई ब्लड शुगर से कमजोर होती है मस्तिष्क की कार्यक्षमता

हाई ब्लड शुगर से स्वास्थ्य संबंधी दूसरी समस्याएं भी खड़ी हो सकती हैं। नए अध्ययन में पाया गया है **कि हाई ब्लड शुगर पीड़ितों की स्मृति भी कमजोर हो सकती है।** शोधकर्ताओं ने कहा कि ब्रिटेन के करीब पांच हजार लोगों पर किए गए अध्ययन से जाहिर होता है कि **डायबिटीज और ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता में गिरावट को रोका जा सकता है।** दूसरे अध्ययनों में स्मृति संबंधी गिरावट का डायबिटीज के साथ संबंध स्थापित हो चुका है। जबकि नए अध्ययन से **ब्लड शुगर के मानक ग्लाइसीटेड हीमोग्लोबिन (एचबीए1सी) के स्तर** और याददाश्त संबंधी गिरावट के खतरे में सीधे संबंध का पता चला है।

क्या है

1. ब्रिटेन के इंपीरियल कॉलेज लंदन और चीन की पीकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने **औसतन 66 साल की उम्र वाले 5,189 प्रतिभागियों पर किए गए अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।**
2. वैज्ञानिकों ने एक ऐसा **स्किन पैच (त्वचा पर लगाई जाने वाली पट्टी)** विकसित किया है जिससे डायबिटीज पीड़ितों को राहत मिल सकती है। यह पैच दवाओं के जरिये कई दिनों तक ब्लड शुगर को नियंत्रित कर सकता है। इसमें काफी छोटी सुइयां (माइक्रो नीडल) लगी रहती हैं। ये सुइयां कुछ दिनों में खुद ही पिघलकर खत्म हो जाती हैं। इस प्रक्रिया में रोगियों को दर्द का अहसास नहीं होता है।
3. **टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लाखों लोगों को नियमित रूप से खून में शुगर या ग्लूकोज के स्तर पर नजर रखनी पड़ती है।** इस प्रक्रिया में उन्हें अंगुली में सुई की चुभन और इंसुलिन के इंजेक्शन से दर्द का सामना करना पड़ता है।
4. इसे ध्यान में रखकर अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल इमेजिंग एंड बायोइंजीनियरिंग (एनआइबीआइबी) के शोधकर्ताओं ने एक बायोकेमिकल विधि तैयार की है। इसके जरिये खून में दवाओं को पहुंचाकर ब्लड शुगर को कई दिनों तक नियंत्रित रखा जा सकता है।

63.7% भारतीय पर्यटकों की पसंद है ये देश

श्रीलंका ने भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर नयी रणनीति तैयार की है। श्रीलंका टूरिज्म ने कहा कि पिछले साल 3,84,628 भारतीय पर्यटक श्रीलंका गये थे और इनमें से 63.7 प्रतिशत पर्यटकों का उद्देश्य सैर-सपाटा करना था। श्रीलंका टूरिज्म प्रोमोशन ब्यूरो के प्रबंध निदेशक सुतेस बालासुब्रमण्यम ने कहा कि **श्रीलंका में सबसे ज्यादा पर्यटक भारतीय ही होते हैं।** इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए ब्यूरो ने इस साल **4.40 लाख भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य तय किया है।** उन्होंने कहा कि भारतीय पर्यटक वहां मुख्यत: **फिल्म पर्यटन, विवाह व हनीमून, धार्मिक पर्यटन** आदि वजहों से जाते हैं। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म से जुड़े कई ऐतिहासिक स्थलों से इतर वहां रामायण से जुड़े करीब 50 पर्यटन स्थल हैं। इसके अलावा आकर्षक चौपाटी, वाटर स्पोर्ट्स, आयुर्वेद से जुड़ा चिकित्सा पर्यटन आदि भी मुख्य आकर्षण हैं।

क्या है

1. इस मौके पर **भारत में श्रीलंका की राजदूत चित्रांगणी वागीश्वरा ने श्रीलंका टूरिज्म** के एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए बताया कि वहां जाने वाले **भारतीय पर्यटकों में से 63.7 प्रतिशत** लोग सैर-सपाटा करना पसंद करते हैं।
2. सर्वेक्षण के अनुसार, **भारतीय पर्यटकों में से 49.82 प्रतिशत खरीदारी करना, 41.64 प्रतिशत समुद्र में स्नान** तथा 32.74 प्रतिशत स्वीमिंग पुल में समय बिताना पसंद करते हैं।
3. कुल भारतीय पर्यटकों में से 37.01 प्रतिशत लोग ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण को तरजीह देते हैं जबकि 21 प्रतिशत लोग वाइल्डलाइफ पसंद करते हैं।

KSG – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

4. कुल भारतीय पर्यटकों का 69.1 प्रतिशत अपने अनुभव को सुखद बताते हैं जबकि 30.69 प्रतिशत लोग इसे संतोषजनक बताते हैं। एक सवाल के जवाब में बालासुब्रमण्यम ने कहा कि भारतीय पर्यटकों की संख्या में पिछले 6-7 सालों में सालाना आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इनमें उत्तर भारतीय पर्यटकों की संख्या 42 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने की थी। 70वीं पुण्यतिथि के मौके पर पूरा राष्ट्र उन्हें नमन कर रहा है। **गांधी की हत्या की दोबारा जांच को लेकर एमिकस क्यूरी** ने इसी महीने सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में हत्याकांड की फिर से जांच की जरूरत नहीं होने की बात कही गई। जानें बापू की हत्या पर क्या दावे किए जाते रहे हैं...

1. महात्मा गांधी की हत्या की नए सिरे से जांच हो या नहीं, इस पर एमिकस क्यूरी ने रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दिया है। एमिकस क्यूरी ने इस मामले की दोबारा जांच नहीं होगी, यह रिपोर्ट सर्वोच्च अदालत में सौंपी है।
2. **एमिकस क्यूरी ने बापू की हत्या से जुड़े 4000 पेज के कपूर आयोग के दस्तावेजों के विस्तृत अध्ययन** और बापू के खून से सने कपड़ों की जांच करने के बाद अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में सौंपी थी। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि बापू की हत्या में किसी रहस्यमय चौथी गोली का प्रयोग नहीं हुआ है।
3. **अभिनव भारत संस्था के पंकज फडनीस ने बापू की हत्या की फिर से जांच के लिए 2017 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी थी।** याचिका में दावा किया गया था कि महात्मा गांधी की हत्या एक रहस्यमय शख्स ने की थी। रहस्यमय शख्स ने चौथी गोली चलाई थी और जिसे कभी पकड़ा नहीं गया।
4. **जिस पिस्तौल से महात्मा गांधी की हत्या की गई, उसका रजिस्ट्रेशन नंबर 606824 था।** जब डॉ. परचुरे ने गोडसे को यह पिस्तौल दी तो उन्होंने उसे दूसरी पिस्तौल देने से मना कर दिया। गांधी की हत्या के बाद दोनों पिस्तौल जब्त कर ली गई थीं। एक पिस्तौल मौका-ए-वारदात से मिली थी, जबकि दूसरी डॉ. परचुरे के घर से मिली थी।
5. गांधी की हत्या के लिए इस्तेमाल किए जाने वाली **बेरेटा पिस्तौल** कई लोगों के पास से होते हुए जगदीश प्रसाद गोयल को मिली थी। गोयल ने इसे गंगाधर दंडावते को सौंप दिया और दंडावते ने इसे नाथूराम गोडसे को दे दिया।
6. **1969 में गृह मंत्रालय को कपूर जांच आयोग ने राष्ट्रपिता की हत्या के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट की कॉपी सौंपी थी।** इस रिपोर्ट में कहा गया था कि हत्या नाथूराम गोडसे की गोली लगने के कारण ही हुई थी

अंतरिक्ष यात्रियों के लिए मानव मल से बनी खाद्य सामग्री

वैज्ञानिकों ने **मानव मल को संभावित खाद्य सामग्री के रूप में विकसित करने की प्रणाली विकसित की है।** वैज्ञानिकों का कहना है कि **इससे मंगल या अन्य स्पेस मिशनों पर गए अंतरिक्षयात्रियों के लिए खाने की समस्या का हल निकाला जा सकेगा।** इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक **वैज्ञानिकों ने माइक्रोब्स का इस्तेमाल कर मानव मल में से सॉलिड और लिक्विड को ब्रेक कर उसमें से प्रोटीन और फैट के तत्वों** को निकालकर खाद्य सामग्री तैयार करने का दावा किया है।

क्या है

1. अमेरिका की पेन्सिलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के माइक्रोब रिसर्चर प्रोफेसर क्रिस्टोफर हाउस ने कहा, **'हमने ऐस्ट्रनॉट्स के वेस्ट को माइक्रोब्स की मदद से ट्रीट किया और उससे यह प्रयोग सामने आया है।** उन्होंने कहा, यह थोड़ा अलग है। हालांकि इस पर अभी कुछ और काम किए जाने की जरूरत है।'
2. लाइफ साइंसेज इन स्पेस रिसर्च मैगजीन में प्रकाशित स्टडी में हाउस और उनकी टीम ने कहा कि माइक्रोब्स की मदद से ह्यूमन वेस्ट में मौजूद न्यूट्रंट रिच तत्वों को तलाश कर यह तैयार किया गया है।
3. वैज्ञानिकों ने कहा कि **52 पर्सेंट प्रोटीन और 36 पर्सेंट फैट कॉन्टेंट के साथ यह मनुष्यों के लिए खाद्य सामग्री के तौर पर उपयोग में लाया जा सकता है।** रिसर्चर्स ने कहा कि उनकी स्टडी को अभी लागू नहीं किया जा सकता है, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में मौजूदगी के दौरान इसे फूड विकल्प के तौर पर लिया जा सकता है।

KSG – (DELHI VN) 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**